दैनिक

महाराष्ट्र समाचार

संपादक :अकबर खान

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

वर्ष :12 अंक : 47 मुंबई, शुक्रवार, 06 दिसम्बर-2024 | E-mail:dailymaharashtrasamachar@gmail.om | मूल्य 3.00 रूपया | पृष्ठ – 06 | RNI.No.HIN/2013/53656

फडणवीस तीसरी बार बने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

» महाराष्ट्र में दूसरे सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड फड़नवीस के नाम

एजेंसी

मुंबई, » महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में गुरुवार को तीसरी बार शपथ लेने वाले देवेंद्र फडणवीस के नाम मुख्यमंत्री के रूप में कई रिकॉर्ड दर्ज हो चुके हैं। उनका पूरा नाम देवेन्द्र सरिता गंगाधरराव फड़नवीस है। उनका जन्म 22 जुलाई 1970 को हुआ था। इससे पहले उन्होंने राज्य में एकनाथ शिंदे सरकार में उप मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था।

महाराष्ट्र चुनाव रिजल्ट के 13 दिन बाद नई सरकार बन गई है। देवेंद्र फडणवीस ने 10 साल में तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ऐसा करने वाले वह भाजपा के पहले नेता हैं। शपथ के बाद वे प्रधानमंत्री मोदी के पास गए और अभिनंदन किया। फडणवीस के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। शपथ से पहले उन्होंने बालासाहेब ठाकरे और आनंद दिघे का नाम लिया। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को धन्यवाद दिया। वे राज्य के दूसरे नेता हैं जो सीएम के बाद डिप्टी सीएम बने।इसके बाद एनसीपी नेता अजित पवार ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। वह छठी बार राज्य के डिप्टी सीएम बने हैं। वह

महायुति और महाविकास अघाड़ी दोनों गठबंधन की सरकार में डिप्टी ष्टरूरहने वाले महाराष्ट्र के पहले नेता बन गए हैं। शपथ के आधे घंटे बाद फडणवीस, शिंदे और अजित मंत्रालय पहुंच गए। पहली कैबिनेट मीटिंग में देवेंद्र फडनवीस ने पुणे के मरीज चंद्रकांत शंकर कुरहाडे को इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से 5 लाख रुपए की सहायता देने का फैसला लिया। शपथ समारोह मुंबई के आजाद मैदान में शाम 5 : 31 बजे शुरू हुआ, जो करीब 30 मिनट तक चला। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने तीनों नेताओं ने मराठी में शपथ ली। समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, नितिन गडकरी के अलावा नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, समेत एनडीए शासित राज्यों के सीएम और डिप्टी सीएम शामिल हुए।

देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पहले मुख्यमंत्री बने थे।राज्य में मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल पूरा करने वाले वह दूसरे मुख्यमंत्री हैं और उन्हीं के नाम पर राज्य में सबसे कम समय तक के लिए मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड भी है।राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में श्री फडणवीस अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान केवल चार दिनों तक पद पर रहे।विधानसभा में बहुमत साबित न होते देख उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने पहले 31 अक्टूबर 2014 से 12 नवंबर 2019 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का पद संभाला था।उन्होंने वर्ष 2019 से 2022 तक उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में कार्य किया। वह वर्ष 2013 से 2015 तक भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की महाराष्ट्र राज्य इकाई के अध्यक्ष रहे। वह 44 साल की उम्र में मुख्यमंत्री बने, जिससे वह महाराष्ट्र के इतिहास में शरद पवार के बाद दूसरे सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बन गये।

महाराष्ट्र में वर्ष 2019 के राजनीतिक संकट के दौरान, उन्होंने 28 नवंबर 2019 को इस्तीफा देने से पहले पांच दिनों के लिए मुख्यमंत्री के रूप में दूसरा कार्यकाल संभाला। श्री भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2009 से महाराष्ट्र विधान सभा में नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले उन्होंने वर्ष 1999 से 2009 तक नागपुर पश्चिम की सेवा की थी। इसके अतिरिक्त, वह वर्ष 1997 से 2001 तक नागपुर के मेयर के पद पर रहे। श्री फड़नवीस का जन्म नागपुर में एक मराठी ब्राह्मण परिवार में गंगाधर फड़नवीस और सरिता फड़नवीस के घर हुआ था। उनके पिता गंगाधर फड़नवीस, नागपुर से महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य थे। उनकी मां, सरिता फड़नवीस, अमरावती के कालोटी परिवार से थीं। वह पहले विदर्भ हाउसिंग क्रेडिट सोसाइटी के निदेशक के रूप में काम कर चुकी थीं।

संक्षिप्त समाचार

शाह 14 से 16 दिसंबर तक छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे

एजेंसी/ नई दिल्ली » केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 से 16 दिसंबर तक छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे। सूत्रों के अनुसार श्री शाह रायपुर में सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। वह रायपुर में छत्तीसगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति पुलिस कलर भी प्रदान करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री जगदलपुर भी जाएंगे, जहां वह आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों, स्थानीय लोगों और बुद्धिजीवियों से बातचीत करेंगे। वह बस्तर ओलंपिक समापन समारोह में भी शामिल होंगे। श्री शाह जगदलपुर में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और वामपंथी उग्रवाद से पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री सुरक्षा शिविरों का दौरा करेंगे और विकास कार्यों का भी निरीक्षण करेंगे। वह सुरक्षा बलों के जवानों के साथ दोपहर का भोजन भी करेंगे।

भारत मंडपम में कल अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन करेंगे मोदी

एजेंसी/ नई दिल्ली » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक जीवंतता को प्रदर्शित करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप शुक्रवार को राजधानी में भारत मंडपम में तीन दिवसीय अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन समारोह अपराह्न तीन बजे आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार पहली बार मनाया जा रहा तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव आठ दिसंबर तक चलेगा। यह पूर्वोत्तर भारत की विशाल सांस्कृतिक विरासत को उजागर करेगा, जिसमें पारंपरिक कला, शिल्प और सांस्कृतिक प्रथाओं की एक श्रृंखला को एक साथ लाया जाएगा। मेले में क्षेत्र की पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा, कृषि उत्पाद और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम होंगे। इस महोत्सव में कारीगरों की प्रदर्शनियाँ, ग्रामीण हाट और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर तकनीकी सत्र होंगे।

जितेंद्र सिंह शंटी आम आदमी पार्टी में हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली » एंबुलेंस मैन के नाम से मशहूर पद्मश्री जितेंद्र सिंह शंटी गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने श्री शंटी को पटका और टोपी पहनाकर 'आप' परिवार में शामिल किया। श्री केजरीवाल ने कहा कि आज श्री शंटी को आम आदमी पार्टी में शामिल करते हुए मुझे बहुत हर्ष हो रहा है। वह किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। वह अपनी समाज सेवा को लेकर न केवल दिल्ली और देश, बल्कि विदेशों में भी काफी चर्चित रहे हैं। उन्हें ऐम्बुलेंस मैन और तरह-तरह के नामों से जाना जाता है। खासकर, उन्होंने जिस तरह से कोरोना काल में मृत लोगों को सम्मान दिया है।

उन्होंने कहा कि उन्हें बताया गया है कि जितेंद्र सिंह शंटी ने अभी तक 70 हजार से ज्यादा शवों को सम्मान के साथ श्मशान घाट पहुंचाकर उनका अंतिम संस्कार कराया है। खासकर कोरोना काल में जब लोग अपने घर के लोगों की भी लाश लेने में भी कतराते थे। उस वक्त श्री शंटी ने मृतकों का सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करवाया। इस वजह से इन्हें खुद भी कोरोना हो गया। उस वक्त जब इनका पूरा परिवार कोरोना से पीड़ित था, तब भी इन्होंने अपने परिवार की चिंता किए बिना अपना काम जारी रखा। इस काम के लिए इन्हें पद्मश्री से नवाजा गया। आप नेता ने कहा कि इसके अलावा, श्री शंटी बीमार लोगों को एंबुलेंस की सेवा प्रदान करते हैं और उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जिंदगियां बचाते हैं। उनका बीमारी में इलाज करवाते हैं।

श्री शंटी ने कहा कि श्री केजरीवाल लोगों को जीवन देने का काम संभाल रहे हैं और मृत्यु के बाद का काम मैं संभाल लूंगा। दिल्ली की विधानसभा से जीने से लेकर जाने तक के इंतजाम दिल्ली सरकार कर देगी तो मुझे लगता है कि हमारा मिशन पूरा हो जाएगा। मैंने स्वेच्छा से 'आप' परिवार के साथ जुड़ने का फैसला किया है। राजनीति मेरे लिए केवल आशीर्वाद कमाने का माध्यम होगी। क्योंकि मृत्यु के बाद केवल ये दुआएं और आशीर्वाद ही साथ जाएगा। इससे ज्यादा कुछ नहीं जाएगा। हमारा यही पैगाम है कि इंसान का इंसान से हो भाईचारा।

बिल्ले लगाकर कोई सदस्य सदन में न आये : बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली » लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि कोई सदस्य बिल्ले लगाकर सदन में न आये। श्री बिरला ने कहा कि नियम 349 के अनुसार किसी सदस्य को सदन में बिल्ले लगाकर नहीं आना चाहिये।

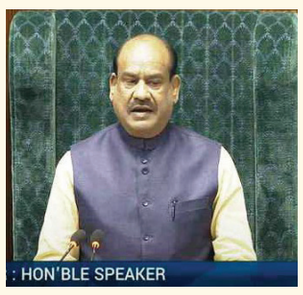

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज के अलावा कोई भी सदस्य अन्य बिल्ला या बैच लगाकर सदन में नहीं आ सकता। अध्यक्ष ने कहा कि ऐसा करने वाला चाहे कोई सत्ता पक्ष का या विपक्ष का सदस्य हो, वह सभी को बिल्ले लगाने से मना करेंगे। उन्होंने आग्रह किया कि कोई सदस्य राष्ट्रीय ध्वज के अलावा कोई अन्य बिल्ला लगाकर सदन में नहीं आये। गौरतलब है कि कांग्रेस सदस्य काले रंग की जैकेट पहन कर सदन में आये थे, जिसके पीछे लिखा था, 'मोदी अडानी एक हैं, अडानी सेफ है। '

संसद में हंगामें के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली » लोकसभा में संभल मामले को लेकर कांग्रेस के सदस्यों के भारी हंगामे के कारण गुरुवार को सदन में रेलवे संशोधन विधेयक 2024 पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का जवाब नहीं हो पाया और दो बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे सदन के समवेत होते ही कांग्रेस के सदस्य सदन के बीचोंबीच आ गये और हंगामा करने लगे। पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल ने कहा कि रेलवे संशोधन विधेयक पर 72 सदस्यों ने भाग लिया है और मंत्री जवाब देने के लिए आए हैं। आप उनका जवाब आ जाने दीजिए। इसके बाद अपनी बात कहने का मौका मिलेगा। लेकिन विपक्षी सदस्यों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

इस बीच श्री पाल के कहने पर श्री वैष्णव ने जवाब देना शुरू किया और कहा कि विधेयक पर चर्चा के दौरान सांसदों ने आशंका जताई है कि संसद का नियंत्रण और भूमिका कमजोर हो जाएगी। वह इस पर सदन आश्वासन देना चाहते हैं। तभी श्री पाल ने विपक्षी सदस्यों से पुन» अपील की कि वे जवाब हो जाने दें। लेकिन शोरगुल जारी रहा। इस पर उन्होंने सदन की कार्यवाही शुक्रवार 11 बजे तक के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी। इससे पहले एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे लोकसभा की कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई, विपक्षी दलों के सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से सदन की कार्यवाही चलते रहने देने का आग्रह किया लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री को कल दिनभर हुई चर्चा का जवाब देना है इसलिए हंगामा न करें। श्री वैष्णव ने भी कई बार जवाब देने का प्रयास किया लेकिन सदस्यों ने एक नहीं सुनी। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि विपक्ष के सदस्य कपड़ों पर रंग-बिरंगे नारे लिखकर आ रहे हैं जो सदन के नियमों के खिलाफ है।

निर्माण में गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों को बख्शा नहीं जाएगा : गडकरी

नई दिल्ली » केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में गुरुवार को कहा कि राजमार्गों के निर्माण में कमी को लेकर सरकार गंभीर है और इसमें

गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्री गडकरी ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे देश का सबसे लंबा राजमार्ग है। इस एक्सप्रेस वे से लोग दिल्ली से 12 घंटे में मुंबई पहुंच सकेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर सड़कें धंस गई है, लेकिन नीचे की सतह सही है और इसमें सही सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इस मार्ग की मरम्मत की दस साल की जिम्मेदारी ठेकेदार के पास है। उन्होंने कहा कि सड़कों की कमी आने पर चार ठेकेदारों को जिम्मेदार ठहराकर उनको नोटिस दिया गया है और कार्रवाई की जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता को लेकर कोई समझौता नहीं किया गया जाएगा। श्री गडकरी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के हनुमान बेनीवाल की ओर से पूछे गये प्रश्न का जवाब दे रहे थे। श्री बेनीवाल ने कहा कि कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे की तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाएं हुई है, जिसमें करीब 150 लोगों की जान गई है। श्री गडकरी ने एक अन्य पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। इसमें लोगों को भी सहयोग करने की जरूरत है।

मुंबई विश्वविद्यालय से पीएचडी के बाद डॉ. बिजयकुमार महाराणा की सफल कहानी

प्रयास और विश्वास जारी रखेंगे, आत्महुति सफलता की राह नहीं : डॉ बिजय महाराणा (PhD)

नई दिल्ली / संवाददाता

जैसा कि सभी जानते हैं कि आजकल भारतीय जाति व्यवस्था लोगों के बीच मतभेद पैदा कर रही है। हर साल कई छात्र इस कारण अपनी जान गंवा देते हैं। बता दे की टाइम्स ऑफ इंडिया मे 11 अक्टूबर 2024 कि खबर थी के 4 पीएचडी धारक शिक्षाविदों ने अपनी योग्यता के अनुसार उपयुक्त नौकरी न मिलने के कारण आत्महत्या कर ली और अपना बहुमूल्य जीवन खो दिया। वही 6 जून 2011 भी एक यादगार दिन है, आप देश भर के कई प्रमुख समाचार पत्रों के फ्रंट पेज को देख सकते हैं द्य मुंबई विश्वविद्यालय से योग में पीएचडी की मानद उपाधि प्राप्त करने के बाद डॉ. बिजयकुमार महाराणा की सफल कहानी और संघर्षपूर्ण जीवन के बारे में अपने फ्रंट पेज पर खबर प्रकाशित की थी। टाइम्स ऑफ इंडिया ने अपने फ्रंट पेज पर प्रकाशित किया था, डब्बावाला बिजय अब डॉ. बिजय हैं। उन्होंने डॉ. बिजयकुमार महाराणा की पूरी सफल कहानी और संघर्षपूर्ण जीवन को कवर किया।

डब्बा से डॉक्टरेट तक का सफर

ये सभी के लिए विशेष रूप से भारत की युवा पीढ़ी के लिए बहुत प्रेरणादायक था। डॉ. महाराणा के बारे में प्राप्त संसाधनों और जानकारी के अनुसार, 1995 में ओडिशा के क्योंझर जिले के आनंदपुर कॉलेज से

स्नातक की डिग्री पूरी करने के बाद वे मुंबई आ गए। डॉ. बिजय अपने कॉलेज के एनसीसी और एनएसएस में शामिल हुए और कई इंटर कॉलेज और इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिताओं में आनंदपुर कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया। वह ओडिशा में सर्वश्रेष्ठ क्रॉस कंट्री धावक थे और जिसके लिए उन्हें 26 जनवरी 1993 को राष्ट्रीय स्तर के प्रधान मंत्री की रैली में आनंदपुर कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने के लिए ओडिशा के एनसीसी निदेशालय द्वारा चुना गया था और उन्होंने साहसिक गतिविधियों पैरा-सेलिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान ओडिशा वॉलीबॉल टीम के कप्तान भी रहे। वह एकमात्र एनसीसी कैडेट हैं जो पहली बार राष्ट्रीय स्तर के प्रधान मंत्री की रैली और आरडीसी परेड, नई दिल्ली में आनंदपुर कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए, जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है कि वर्ष 1964 में आनंदपुर कॉलेज की स्थापना के बाद, डॉ. बिजय महाराणा पहले छात्र और एनसीसी कैडेट हैं जिन्हें चुना गया,डॉ. महाराणा ने मुंबई विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग से दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की और मुंबई विश्वविद्यालय से योग में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। जोशी बेडेकर कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. शकुंतला ए. सिंह ने डॉक्टर महाराणा को मुंबई विश्वविद्यालय से योग में डॉक्टर बनने के लिए मार्गदर्शन किया। घासीपुरा के विधायक प्रोफेसर बद्री नारायण पात्रा ने अपने लेटर पैड में लिखा है कि बिजय दुनिया के पहले ओडिया छात्र हैं जिन्हें योग में डॉक्टरेट की उपाधि मिली है। डॉ. बिजयकुमार ने कहा कि मेरे दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर संतोष मिश्रा, जिनसे मुझे दर्शनशास्त्र में उच्च शिक्षा के लिए मुंबई आने की प्रेरणा मिली, मैं उन्हें अपने जीवन में कभी नहीं भूल पाऊंगा, वे सभी छात्रों के प्रति बहुत ही मित्रवत और सहयोगी थे।भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और संयुक्त राष्ट्र से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का अनुरोध किया, यह एक अच्छी खबर है कि दुनिया के 199 देशों ने इसका समर्थन किया और 21 जून 2015 से लेकर आज तक पूरी दुनिया इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मना रही है।डॉ. महाराणा को आईएनएस विराट जहाज पर 1000 नौसेना अधिकारियों और एनसीसी कैडेटों के साथ पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजित करने का मौका मिला, कैप्टन श्याम सुंदर ने कहा, डॉ. बिजय महाराणा ने भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार योग दिवस से एक महीने पहले एनसीसी कैडेटों और नौसेना अधिकारियों को प्रशिक्षित किया, अंततः उन्होंने इसे सर्वश्रेष्ठ भारतीय जहाज के लंबे हिस्से में भव्य तरीके से सफलतापूर्वक किया जो अविस्मरणीय है और मैंने सरकार से उन्हें राष्ट्रीय युवा पुरस्कार देने का अनुरोध किया। डॉ. महाराणा वर्ष 2016 में गृह कल्याण केंद्र में योग प्रशिक्षक के रूप में शामिल हुए, जो भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डी.ओ.पी.टी) के तत्वावधान में काम कर रहा है। डॉ. महाराणा ने पूरे भारत में योग जागरूकता अभियान चलाए और वर्ष 2016 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित हुए।अमेरिकन काउंसिल ऑफ रिसर्च (USA) ने गृह कल्याण केंद्र, मुंबई में अपने काम के दौरान डॉक्टर महाराणा को अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया और आज तक डॉ. बिजयकुमार को योग में जागरूकता पैदा करने के लिए 200 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जो कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना मिशन है।भारत सरकार के सभी राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेताओं ने डॉ. बिजयकुमार को भारतीय राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता महासंघ (NYAFI) के लिए अपना राष्ट्रीय महासचिव चुना है, जिन्हें डॉ. बिजयकुमार पर बहुत उम्मीद और विश्वास है और जो अब भारत के युवाओं के बीच असली हीरो हैं।डॉ. बिजय महाराणा को NYAFI का राष्ट्रीय महासचिव चुना गया, जो हमेशा युवाओं के लिए विभिन्न परोपकारी गतिविधियों को आयोजित करने में व्यस्त रहते हैं, हाल ही में उन्होंने ओम बिरला जी, माननीय अध्यक्ष लोकसभा और माननीय मंत्री डीओपीटी, डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ युवाओं की समस्याओं पर चर्चा की, ताकि राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेताओं को कल्याण अधिकारी बनने और सरकार के साथ काम करने का मौका दिया जा सके। यह एक दुखद समाचार है, कि गृह कल्याण केंद्र मुख्यालय, नई दिल्ली के नए प्रशासनिक अधिकारी प्रकाश चंद्र ने योग गतिविधियों को बंद करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से एक पत्र दिया है, पत्र संख्या-8/34/2023-जी.के.के/387 दिनांक 24/01/2024 और तुरंत मानदेय देना बंद कर दिया है जिससे बहुत सारी समस्याएं पैदा हुई हैं।जीकेके के नियुक्त सचिव ने पिछले सप्ताह गृह कल्याण केंद्र से स्वयं इस्तीफा दे दिया, पहले प्रशासनिक अधिकारी ने भी कार्यभार ग्रहण करने के बाद इस्तीफा दे दिया, अब योग की नियुक्ति कौन करेगा, यह बड़ा मुद्दा है।दिल्ली के गृह कल्याण केंद्र ने डॉ. बिजय महाराणा द्वारा पूरे भारत में योग गतिविधियों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त किए। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के मंत्री को मुंबई में योग गतिविधियों को तुरंत शुरू करने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। CPWD, मुंबई ने मुंबई और नवी मुंबई में सभी समाज सदनों का जीर्णोद्धार किया और ISSARA के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद कैंसर रोगियों के लिए मुफ्त योग चिकित्सा शुरू की। योग गतिविधियाँ बंद नहीं होनी चाहिए जो हमारे माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम मिशन प्रोजेक्ट है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार योग से सम्मानित डॉ. बिजयकुमार महाराणा ने कहा, मैं योग में पीएचडी धारक व्यक्ति हूं, 2016 से मुंबई गृह कल्याण केंद्र के साथ काम कर रहा हूं, बिना किसी उचित जानकारी के मेरा मानदेय रोक दिया गया और रोजाना हमारे देश में पीएचडी डिग्री धारकों की आत्महत्या के बारे में फोन आ रहे हैं, चार पीएचडी डिग्री व्यक्ति जिन्हें उनकी उच्च डिग्री और योग्यता के अनुसार कोई नौकरी नहीं मिली, उन्होंने अपना बहुमूल्य जीवन खो दिया, मैं इस मौत के लिए खुश नहीं हूं, मैं किसी की व्यक्तिगत समस्या के बारे में कुछ नहीं कह सकता, हमारे देश में हर कोई मुझे मेरी कड़ी मेहनत और अपनी मातृभूमि के प्रति समर्पण के लिए जानता है। डॉ. महाराणा ने कहा आप हमारे माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के बारे में सोचिए, चाय बेचने वाले से, वे अब भारत के प्रधान मंत्री हैं और सभी जानते हैं कि सभी विश्व नेता भारतीय प्रधान मंत्री मोदी का कितना सम्मान करते डब्बावाला, कूरियर बॉय, समाचार पत्र वितरक और यहां तक कि जीवन में वास्तविक सफलता प्राप्त करने के लिए रेलवे स्टेशन कूल का काम भी किया। मैं कभी भी आत्महत्या नहीं करूंगा और मूल्यवान जीवन को नहीं खोऊंगा, मिशन टू सक्सेस पुस्तक के लेखक डॉ. बिजयकुमार ने कहा, कोशिश करने वाले का हार नहीं होता है, मैं वास्तविक सफलता प्राप्त करने तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा, मुझे आशा है, समय आएगा, एक दिन हर कोई मुझे और मेरे मिशन को समझेगा जो निश्चित रूप से युवाओं को प्रेरित करेगा कि कैसे हमारे देश को मजबूत और महान बनाकर विश्व गुरु बनाया जाए।

सम्पादकीय

जनसंख्या का गणित

देश में विभिन्न दलों के राजनेता और धार्मिक नेता अपने तात्कालिक हितों की पूर्ति हेतु अपने लक्षित समूहों की आबादी बढ़ाने की जरूरत बताते रहे हैं। आबादी के बोझ से चरमराती नागरिक सेवाओं और सीमित संसाधनों के बीच आबादी बढ़ाने का आह्वान करना तार्किक दृष्टि से गले नहीं उतरता। लेकिन इसके बावजूद धार्मिक व सांप्रदायिक समूह के अगुआ आबादी बढ़ाने का आह्वान करते नजर आते हैं। इस विवादास्पद मुद्दे की हालिया चर्चा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी के कारण फिर सुर्खियों में है। उनका कहना है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आ रही है। उन्होंने एक तस्वीर उकेरते हुए कहा है कि जिस समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे चली जाएगी, कालांतर उस समाज को एक चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उनकी दलील है कि बहुसंख्यक समाज को हम दो, हमारे तीन के समाधान पर अमल करना चाहिए। यानी प्रत्येक जोड़े को कम से कम तीन बच्चे पैदा करने चाहिए। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने एक समुदाय विशेष को इंगित करते हुए चिंता जतायी थी कि अधिक आबादी वाला समुदाय जनसंख्या संतुलन के लिये चुनौती पेश कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस विवादास्पद भाषण के कुछ सप्ताह के बाद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा जारी आंकड़ों के निष्कर्ष में इस बात को लेकर चिंता जतायी गई थी कि 1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक समाज की आबादी में 7.82 फीसदी की कमी आई है। वहीं देश के मुख्य अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी में 43 फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, इन्हीं आंकड़ों के जरिये भविष्य में बहुसंख्यक समाज के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के रूप में पेश किया जाता है। दरअसल, राजनीतिक नेतृत्व व धार्मिक संगठनों के नेताओं द्वारा अपनी सुविधा की जनसंख्या नीति को लेकर जो दलीलें दी जा रही हैं, वे एक अर्थशास्त्री द्वारा लक्षित जनसंख्या की संकल्पना दृष्टि के मद्देनजर विरोधाभासी कही जा सकती हैं। वहीं दूसरी ओर देश के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि विकसित भारत के लक्ष्य हासिल करने में छोटे परिवार मददगार साबित हो सकते हैं। निश्चित रूप से जनसंख्या से जुड़ी विरोधाभासी दलीलों की तार्किकता तलाश पाना एक कठिन कार्य रहा है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि देश में परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक के प्रयोग में वृद्धि के कारण प्रजनन दर में काफी गिरावट आई है। वहीं ऐसे ही तात्कालिक कारणों तथा राजनीतिक लक्ष्यों ने आंध्र प्रदेश में टीडीपी सरकार को दो संतानों की नीति को खत्म करने के लिये प्रेरित किया है। ऐसी ही जनसंख्या नीति में बदलाव के लिये तमिलनाडु सरकार की तरफ से विरोधाभासी बयान विगत में सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बने हैं। ऐसे हालात में विभिन्न राज्यों में सरकारों को चाहिए कि वे जनसंख्या नीति पर बयानबाजी करने से पहले उपलब्ध संसाधनों का मूल्यांकन करें। वे विचार करें कि स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, रोजगार सृजन और गरीबी उन्मूलन की चुनौती के बीच क्या वे अतिरिक्त जनसंख्या के बोझ को संभाल पाने में सक्षम हो सकते हैं? निस्संदेह, राजनीतिक और धार्मिक लक्ष्यों के लिये संख्या का खेल खेलने वाले नेताओं को सांप्रदायिक तनाव बढ़ाना भले ही सफलता का शार्टकट लगता हो, लेकिन उन्हें भारत की दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक स्थिरता के लिये ऐसे प्रयासों के निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जाहिर बात है कि देश की भौगोलिक स्थिति और जनसंख्या का घनत्व पहले ही काफी असंतुलित है। यदि फिर भी जनसंख्या वृद्धि की होड़ संकीर्ण स्वार्थों के लिये की जाती है तो उसके दूरगामी घातक प्रभाव सामने आ सकते हैं। हमारी प्राथमिकता हर हाथ को काम देने तथा सीमित संसाधनों के बेहतर उपयोग होनी चाहिए।

जनसंख्या पर भाजपायी विमर्श को बढ़ाते भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने की गुजारिश की है और उसे जनसंख्या विज्ञान के 2.1 के फार्मूले से जोड़कर चाहे सियासी अर्थों को छिपाने की कोशिश की हो, लेकिन सच्चाई यह है कि इस बयान के पीछे उनके संगठन के वे ही पुराने गहन राजनैतिक मकसद मौजूद हैं जिसके लिये वह जानी जाती है- ध्रुवीकरण। उनका बयान ऊपरी खुले तौर पर चाहे संघ की राजनीतिक विंग भारतीय जनता पार्टी द्वारा अब तक की सोच के विपरीत दिखाई देता हो, जो देश के सामने अक्सर बढ़ती आबादी को लेकर चिंता जताती आई है, परन्तु भागवत के बयान को भाजपा के लिये एक दिशानिर्देश की तरह भी देखा जा रहा है। बहुत सम्भव है कि केन्द्र सरकार भागवत के बयान के अनुकूल कोई ऐसी जनसंख्या नीति लेकर आये जिससे हिन्दुओं की आबादी को बढ़ाया जा सके। संघ और भाजपा जनसंख्या सम्बन्धी वास्तविक तथ्यों व आंकड़ों को दरकिनार कर यह प्रचारित करती आई है कि देश में हिन्दुओं की आबादी घट रही है और मुस्लिमों की बढ़ रही है। देश में इस्लामोफोबिया बढ़ाने के लिये जनसंख्या को गलत तरीके से पेश करना संघ-भाजपा की पुरानी नीति है। अनेक महत्वपूर्ण मौकों पर भागवत हों या इन दो संगठनों से जुड़े लोग, इसका डर दिखाते रहे हैं। नागपुर में एक संगठन के सम्मेलन में दिये भाषण में भागवत ने कहा कि-2.1 की कम प्रजनन दर वाला समाज अपने आप नष्ट हो जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इससे कम जनसंख्या वाला समाज तब भी नष्ट हो जाता है जब कोई संकट न हो। बिना संकट के भी ऐसे समाज के नष्ट होने की बात उन्होंने सम्भवतरू इसलिये कही होगी ताकि लोग इस बात को तार्किक व वैज्ञानिक आधारों वाला कोई निष्कर्ष समझें और उन पर यह तोहमत न लगे कि वे लोगों को डरा रहे हैं या हिन्दू-मुस्लिम कर रहे हैं। उन्होंने कई भाषाओं और समाज के नष्ट होने की बात करते हुए लोगों को चेताया कि प्रजनन दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिये। इस वृद्धि दर को बनाये रखने के लिये लोगों को दो से ज्यादा (यानी तीन) बच्चे पैदा करने चाहिये। उन्होंने याद दिलाया कि देश में 1998 और 2002 में जो जनसंख्या सम्बन्धी नीतियां तय की गयी थीं उनमें भी 2.1 की दर को बनाये रखने की बात कही गयी थी। हालांकि उन्होंने अमूमन कम याददाश्त वाली जनता के सामने स्पष्ट नहीं किया कि ये दोनों नीतियां भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस शासित कार्यकाल में लाई गयी थीं। चूंकि उनमें अनेक ऐसे राजनीतिक दलों का समावेश था जो इस मामले में दूसरी राय रखते थे, यह नीति कभी भी प्रभावशाली ढंग से लागू नहीं हो पाई थी। अटल बिहारी वाजपेयी वाली यह सरकार 2004 में जाती रही तथा उसके बाद आई यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार (पीएम डॉ. मनमोहन सिंह- दो कार्यकाल) ने इस अनर्गल विषय को तूल देने या बढ़ती आबादी को लेकर रोना-धोना करने की बजाय अधिकतम आबादी को काम देने की नीति पर कार्य किया। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने भी इस पर कोई काम करने की बजाय सियासी मुद्दा बनाकर समाज के भीतर उसे जिन्दा रखा। अपने पहले कार्यकाल (2014-19) के दौरान मोदी आबादी को लेकर एक सकारात्मक रवैया अख्तियार करते नजर आये। उन्होंने अधिक जनसंख्या को, खासकर युवाओं की बहुलता के कारण भारत के लिये एक सौगात बताया। यह एक तरह से चीन की तरह की रणनीति अपनाने जैसा था जिसने बड़ी आबादी को अपनी ताकत बना दिया है। चूंकि पहले-पहल के मोदी भारत को चीन और अमेरिका के मुकाबले में लाने के दावे करते रहे, इसलिये कुछ समय तक तो उनकी पार्टी ने भी देश की आबादी बढ़ने का दुखड़ा सुनाना बन्द कर दिया जो इसका ठीकरा अक्सर मुस्लिम समुदाय पर फोड़ते थे।

दस्तूर ए हिंद के मोअल्लिफ, भारत के पहले वजीर-ए-कानून और भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर व बाबा-ए-कौम और मुजाहिद-ए-आजादी मौलाना अली हुसैन आसिम बिहारी (रह) को खिराजे अकीदत

मजलूमों को इंसाफ दिलाने, जात–पात, ऊंच नीच और आपसी भेदभाव को खत्म करने के लिए अपनी पूरी जिंदगी वक्फ करने वाले दोनो अजीम रेहनुमाओं को पूरे मुल्क में याद किया जाए: एम. डबल्यु अंसारी (आई.पी.एस)

भारत के दो अजीम रहनुमा, बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और मौलाना अली हुसैन आसिम बिहारी (रह), जिन्होंने अपनी सारी जिंदगी गरीबों, मजलूमों को इंसाफदिलाने, जात पात, ऊंच नीच और आपसी भेदभाव को खत्म करने के लिए वक्फकर दी। यह दोनों रहनुमा तकरीबन हमअस्र हैं और उनकी हयात-व-खिदमात की बात करें तो दोनों रहनुमाओं में बड़ी हद तक यकसानिय त पाई जाती हैं। दोनों की 15 ।चतपस 1889-6 क्मब 1953 जिंदगी पैदाइश से लेकर वफात तक यक्सां रही। यह अलग बात है कि आज बाबा साहब के पैरोकार (अनुयाई) बेशुमार हैं और उनके बताए हुए रास्ते पर चल रहे हैं, जबकि बाबा-ए-कौम अली हुसैन आसिम बिहारी साहब (रह) के पैरोकार (अनुयाई) तो हैं, लेकिन उनके बताए हुए रास्ते से भटक गए हैं। जो आज उनका नाम तक नहीं लेते हैं। जबकि आज ढेर सारी संस्थाएं जैसे मोमिन कान्फ्रेंस, अंसार सभा, अंसारी पंचायत वगैरह-वगैरह हजारों की तादाद सेंकने में लगी हैं। बाबा ए कौम अली की यौम-ए-पैदाइश, यौम-ए-वफात पर प्रोग्राम का आयोजन किय 1, और एक दिन-ब-दिन गुमनामी की जिंदगी में तारीख कभी माफनहीं करेगा। में हैं, जो सिर्फअपनी सियासी रोटी हुसैन आसिम बिहारी साहब (रह) न तो याद किया और न ही कोई बे-मिसाल शख्सियत को धकेलने में लगे हैं। ऐसे कौम को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कानून दां, दस्तूर-ए-हिन्द के मोअल्लिफ एक मुमताज मुफक्किर, मुसलेह, और भारत के पहले वजीर कानून और इल्म के हामिल थे। बाबा साहेब आंबेडकर ऐसे दौर में पैदा हुए जब जुल्म-व-ज्यादती और इस्तेहसाल का दौर दौरा था और भारत का मुआशरा जात-पात की तफरीक और छुआछूत पर मबनी था। डॉ अंबेडकर का तअल्लुक उसी अछूत बेरादरी से था जो इंसानी हुकूक से महरूम थी। वहीं मुजाहिदे आजादी मौलाना अली हसैन आसिम बिहारी (रह) का ताल्लुक मुस्लिम खानदान से था, जो काफी गरीब थे। वह एक मुसलेह व मुफक्किर कौम, दानिष्वर, समाजी व सियासी और इंसान दोस्त शख्सियत थे। उन्होंने अवाम के लिए जो खिदमत अंजाम दी उसकी मुस्लिम मुआशरे में कोई मिसाल नहीं मिलती। उनकी कोशिशों की बदौलत आवाज में बेदारी पैदा हुई और सामाजी व

सियासी शऊर बेदार हुआ। मौलाना आसिम बिहारी (रह) ऐसे दौर में पैदा हुए जब गरीब, मेहनतकश तबकात समाजी, तालीमी और मजशी बदहाली के शिकार थे। गैरों की तर्ज पर मुस्लिम मुआशरे में भी जात-पात और ऊंच-नीच का दौर दौरा था जो आज भी है। मुसलमानों के दरमियान नाइंसाफी व इसतेहसाल की बुरी रिवायत आम थी, जिसका सिलसिला अभी भी जारी है। डॉक्टर अंबेडकर और मौलाना आसिम बिहारी (रह). दोनों रहनुमाओं ने तालीम हासिल करने पर जोर दिया, क्योंकि यह जानते थे कि समाज के अंदर फैली जात-पात, छुआछूत और नाइंसाफी व इसतेहसाल की इस गंदी रिवायत को अगर खत्म करना है तो आला तालीम हासिल करना होगा। समाज के अंदर फैली तमाम तरह की बुराइयों को अगर खत्म करना है तो हमें तालीम याफ्ता बनना होगा। इन रहनुमाओं ने अपनी पूरी जिंदगी गरीबों, मेहनत कशों, तालीम, मआशी, सामाजी तौर पर नजर अंदाज और कमजोर दलित बिरादरियों की हमा-जहत फलाह-व-बहबूद की कोशिशों में गुजार दी। आज मौजूदा हालात मैं देखा जा रहा है कि हर शोबे में, हर जगह, चाहे हो, प्रशासन हो कही भी मनवादी और पुजवादी तत्व जिन कि आबादी सिपं से ज्यादा नहीं है लेकिन उन्होंने 45 से 95 परसेंट पर कब्जा कर रखा है. ऐ जनगणना होना चाहिए और सभी कि हिस्सेदारी आबादी के हिसाब से हे आज हमें संविधान को बचाना है, साथ ही साथ मन्वाद और पुज्वाद को खत् है, भागना है. ईवीएम से चुनाव न हो इस कि मेहनत करना है उन्होंने नारा भी दिया था कि

दलित दलित एक समान
चाहे हिन्दू हो या मुसलमान

दोनों रहनुमाओं ने हमेशा लोगों से तालीम याफ्ता बनने, मुत्तहिद होने, मेहनत करने और अपने हुकूक के लिए आवाज उठाने, समाज के अंदर फैली बुराइयों से लड़ने और उसको खत्म करने, नाइंसाफी व इसतेहसाल के खिलाफ आवाज बुलंद करने, भेदभाव, जात-पात की रवायत के खिलाफ लड़न, हक तल्फी करने वालों और हकतल्फी करने वाली पॉलिसियों के खिलाफलड़ने की बात कही। आज भारत को फिर से उसी जात-पात और भेदभाव की आग में झोंकने की कोशिश की जा रही है। समाज के लोगों को आपस में बांटा और लड़ाया जा रहा है। लोगों में नफरत फैलाई जा रही है। संविधान का मजाक उड़ाया जा रहा है। लोगों के हुकूक को पामाल किया जा रहा है। जुल्म-व-ज्यादती के खिलाफ आवाज बुलंद करने वालों को खामोश करने के लिए मुख्तलिफ हथकंडे अपनाए जा रहे हैं और यह सब उनकी नजरों के सामने हो रहा है जिन पर इसको रोकने की जिम्मेदारी है। वाजे रहे कि दंगा हो या जुल्म-व-ज्यादती, उसके करने वाले भी गरीब लोग होते हैं, जिनका इस्तेमाल मनुवादी और पूंजीवादी अनासिर/ताकतों के जरिए उन्हीं के गरीब भाइयों, मजलूमों, दलितों के खिलाफ किया जाता है और इसके शिकार भी अक्सर गरीब तबके के लोग ही होते हैं। चाहे उनका ताल्लुक किसी भी धर्म और मजहब से क्यों ना हों। जेहन में यह बात भी रहे कि:

दलित-दलित एक समान, हिंदू हों या मुसलमान

सोशल मीडिया, व्हाट्सएप, फेसबुक के जरिए निकल कर आ रहे, वीडियोज फोटोज में देखा जा रहा है कि जहां कहीं भी दंगा होता है या सरकार कार्रवाई करती है उसके शिकार गरीब, एस.सी.एस.टी, ओबीसी ही हो रहे हैं। एक तरफ सरकार गरीबी के खिलाफ योजनाएं बना रही है, गरीबों को मुफ्त राशन दे रही है। दूसरी तरफगरीबों के आशियाने बनाने की बजाय उजाड़ने पर लगी है और एकतरफा कार्रवाई भी कर रही है जो संविधान के खिलाफ है। हिन्दू-मुस्लिम लड़ेंगे तो मनुवादी और पूंजीवादियों को फायदा होगा और अगर हिन्दू-मुस्लिम मिल जुलकर भाई चारे के साथ रहेंगे तो भारत को फायदा होगा और साझी विरासत को मजबूती मिलेगी। इसी लिए हमें इसके खिलाफ लड़ना है और हम सबको मिलकर हर लिहाज से आगे तरक्की करना है। और भारत आईन को बचाना है। जात के आधार पर मुरद्दम शुमारी (जनगणना) का मुतालबा करना है। जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी भागीदारी की बात करना है। जो मनुवादी और पूंजीवादी ताकतें हम लोगों को लेने से रोक रही हैं। अंग्रेजों की तरह हमें आपस में लड़ा कर राज करना चाहते हैं। हमें इसको खत्म करके समाज में भाईचारा कायम करना है। और साझी विरासत को बचाना है। मनुवादी पूंजीवादी अनासिर का दायरा पूरे मुल्क में फैल चुका है जो आवाम को अपने हुकूक के लिए आवाज बुलंद करने वालों को मजहबी मसाइल में उलझा कर उन को गुमराह कर रहे हैं। हमें इसके खिलाफ मुत्तहिद होना है और देश को बिकने और बिखरने से बचाना है।

अडानी को जांच से बचाने का मोदी सरकार का निराशोन्मत्त प्रयास

के रवींद्रन

अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाये गये भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के बाद अडानी समूह और भारत सरकार द्वारा किये गये बचाव ने भारत में कॉरपोरेट हितों और राजनीतिक शक्ति के बीच परस्पर सम्बंधों के बारे में गंभीर सवाल खड़े किये हैं। जहां एक ओर अमेरिकी जांच ने भ्रष्टाचार सहित गंभीर वित्तीय अपराधों को उजागर किया,वहीं अडानी समूह और भारत सरकार दोनों ने कंपनी का बचाव करने के लिए एक संयुक्त मोर्चा पेश किया और कहा कि आरोपों को केवल तकनीकी रूप से तैयार किया गया है और कम्पनी का नेतृत्व किसी भी कदाचार में शामिल नहीं है। लेकिन बचाव को मोदी सरकार की ओर से कॉरपोरेट हितों को बचाने के लिए एक रणनीतिक चाल के रूप में ही देखा जा सकता है। अमेरिकी आरोप, जो संभावित धोखाधड़ी गतिविधियों, स्टॉक मूल्य हेरफेर और अपतटीय संस्थाओं से संबंधों की ओर इशारा करते हैं, न केवल कंपनी के संचालन के लिए बल्कि भारत के व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके व्यापक प्रभाव के रूप में एक गंभीर खतरा पेश करते हैं। अमेरिकी जांचकर्ताओं ने अडानी समूह के लेन-देन में गहराई से जांच की है, जिसमें अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है, जिसका अंतरराष्ट्रीय व्यापार और घरेलू निवेश विश्वास दोनों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। स्थिति की गंभीरता के बावजूद, अडानी समूह और भारत सरकार की प्रतिक्रिया दृढ़ रही है। अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले समूह ने कहा है कि उसके खिलाफ आरोप निराधार हैं, उन्हें गलतफहमी या सबसे खराब स्थिति में, अनुपालन में तकनीकी त्रुटियों के अलावा कुछ नहीं बताया जा सकता। भारत सरकार की ओर से अडानी समूह के बचाव को मजबूत राजनीतिक समर्थन मिला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ताओं ने दावा किया है कि यह निजी संस्थाओं से जुड़ा एक विशुद्ध रूप से कानूनी मामला है, और इसलिए, सरकार से चल रही कानूनी कार्रवाई में हस्तक्षेप करने की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। हालांकि, इस बयानबाजी ने अंतर्निहित प्रेरणाओं के बारे में संदेह को कम करने में बहुत कम मदद की है। मामले को वित्तीय कदाचार के गंभीर मामले के बजाय कानूनी तकनीकी मुद्दों के रूप में पेश करके, अडानी समूह और भारत सरकार दोनों ही रणनीतिक रूप से आरोपों की मूल प्रकृति से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रतिक्रिया उल्लेखनीय रूप से एक समान रही है, भारत में प्रमुख राजनीतिक हस्तियों और यहां तक कि मीडिया आउटलेट्स ने अडानी समूह के पक्ष में दलीलें दीं तथा इसे वित्तीय घोटाले में उलझी कंपनी के बजाय विदेशी हस्तक्षेप का शिकार बताया। इस बचाव के व्यापक निहितार्थ महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह इस बात पर सवाल उठाता है कि भारत में कॉर्पोरेट प्रभाव किस हद तक सरकारी कार्रवाई से जुड़ा है। ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और रसद में अपने विशाल व्यावसायिक हितों के साथ अडानी समूह भारत की सबसे प्रभावशाली कॉर्पोरेट संस्थाओं में से एक है। इसका उदय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के आर्थिक विकास के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। पिछले दशक में अडानी समूह की धूमकेतु की तरह वृद्धि को अक्सर देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की इसकी आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इस प्रकार, समूह का बचाव केवल एक कॉर्पोरेट मुद्दा नहीं है - इसे राष्ट्रीय हित का मामला बना दिया गया है। अगर भ्रष्टाचार के इन आरोपों को दबा दिया जाता है या महज तकनीकी बातों के तौर पर खारिज कर दिया जाता है, तो इससे पारदर्शिता और नैतिक व्यावसायिक गतिविधियों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता में विश्वास कम होने का जोखिम है। अडानी समूह के राजनीतिक हस्तियों के साथ घनिष्ठ संबंध अच्छी तरह से उजागर हैं। कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या इन संबंधों ने समूह को नियामक जांच की पूरी सीमा से बचाने में मदद की है। इसलिए, समूह का बचाव करने में सरकार की भूमिका ने राजनीतिक अभिजात वर्ग की संभावित मिलीभगत के बारे में चिंता जताई है, जो जवाबदेही पर कॉर्पोरेट सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाली प्रणाली को बढ़ावा दे रहा है। अडानी समूह और भारत सरकार दोनों द्वारा निर्मित कथा एक निर्दोष पक्ष के रूप में सावधानीपूर्वक तैयार किये गये चित्रण पर टिकी हुई है, इस आरोप के साथ कि इसे विदेशी शक्तियों द्वारा गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। यह बयानबाजी एक व्यापक राष्ट्रवादी कथा की प्रतिध्वनि है जो घरेलू निगमों, विशेष रूप से सरकार के साथ निकटता रखने वालों को अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के शिकार के रूप में पेश करती है। आरोपों को भारत की संप्रभुता और इसकी आर्थिक उपलब्धियों पर हमले के रूप में पेश करके, सरकार ने आलोचना को कुशलतापूर्वक टाल दिया है, और खुद को विदेशी आलोचकों के खिलाफ राष्ट्रीय गौरव के रक्षक के रूप में पेश किया है। हालांकि,यह राष्ट्रवादी रूपरेखा अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे से ध्यान हटाती है कि क्या अडानी समूह ने विकास और मुनाफे की तलाश में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कानूनों और नैतिक मानदंडों का उल्लंघन किया है? यदि अमेरिकी अधिकारी अपनी जांच को आगे बढ़ाते रहते हैं, तो इससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव पैदा हो सकता है। अडानी समूह का निरंतर बचाव, खासकर अगर आरोप सही साबित होते हैं, तो राजनयिक संबंधों में तनाव पैदा हो सकता है। भारत सरकार खुद को एक मुश्किल स्थिति में पा सकती है, जिसे गहरे राजनीतिक संबंधों वाली एक शक्तिशाली कॉर्पोरेट इकाई का समर्थन करने या वित्तीय जवाबदेही के अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ खुद को संरेखित करने के बीच चयन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। कई मायनों में, अडानी का मामला इस बात का उदाहरण है कि कैसे शक्तिशाली निगमों और राजनीतिक अभिजात वर्ग के हित एक दूसरे से इस तरह से जुड़े हुए हैं कि वे लोकतांत्रिक और कानूनी प्रक्रियाओं को विकृत कर रहे हैं, जिनकी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। जब सरकार गंभीर अपराधों के लिए जांच के दायरे में आई किसी कंपनी के पीछे खड़ी होती है, तो यह इस बात को लेकर परेशान करने वाले सवाल खड़े करता है कि किस हद तक कॉर्पोरेट हित राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर रहे हैं। अडानी समूह कोई अलग उदाहरण नहीं है - अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज सहित भारत में अन्य कॉर्पोरेट दिग्गज भी अलग-अलग जांच के साथ प्रभाव के ऐसे ही गलियारों में काम कर चुके हैं।

दिल्ली सल्तनत पर बार-बार क्यों करते हैं किसान चढ़ाई?

अन्नदाताओं की समस्याओं का समाधान आखिर कब होगा? क्या उनकी मांगे भविष्य में कभी पूरी हो भी पाएंगी या नहीं? केंद्र में सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा की, हर दौर में यही सब कुछ देखने को मिलता है। कमोबेस, सरकारों का रवैया सदैव एक जैसा ही रहता है। इसलिए एकाएक किसी सरकार को दोषी ठहराना किसी टिप्पणीकार के लिए बेईमानी सा होता है। किसान आंदोलनों से जो समस्याएं उपजती हैं, उसका खामियाजा सिर्फ और सिर्फ आमजन ही भुगतते हैं। समस्याएं किस कदर पनपती हैं इस ओर शायद किसी का भी ध्यान नहीं जाता। मरीज, छात्र, राहगीर, दैनिक कर्मी तो बेहाल होते ही हैं, रोजमर्रा के क्रियाकलाप भी रुक जाते हैं। दो दिसंबर को भी यही हुआ, जब किसान उत्तर प्रदेश के एक छोर से चले, तो सड़कों पर दौड़ने वाले तेज वाहनों के पहिए थम गए। क्या मरीज, क्या नौकरीपेशा, सभी के पैर अपने जगह रूक गए। दरअसल, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली पर चढ़ाई करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने से उन्हें बलपूर्वक बॉर्डरों पर ही रोका गया है। पर, हालात दिल्ली-एनसीआर के एक बार फिर बिगड़ते दिखाई पड़ने लगे हैं। इस दफे भी किसानों के तेवर उग्र दिख रहे हैं। अन्नदाता लंबा आंदोलन करने के मूड़ में दिखाई पड़ते हैं। इतना तय है, अगर उनकी समस्याओं का समाधान समय रहते नहीं हुआ, तो हालात पिछले किसान आंदोलन जैसे बनने में वक्त नहीं लगेगा। किसान केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को बीते एक महीने से अल्टीमेटम दे रहे थे कि उनकी मांगे मानी जाएं, उनसे बात करे कोई जिम्मेदार व्यक्ति, जिससे दोनों पक्ष बैठकर कोई हल निकाल सकें। लेकिन उनकी बातों को हुकूमती स्तर पर एक बार भी अनसुना और अनदेखा किया गया। दिल्ली पहुंचने के लिए गौतमबुद्ध नगर से करीब 50,000

से अधिक किसान सोमवार सुबह यानी दो तारीख को नोएडा महामाया फ्लाईओवर के पास एकत्रित हुए, फिर उन्होंने दिल्ली कूच का प्लान किया, हालांकि तत्काल रूप से तो पुलिस ने उनकी योजना को विफल कर दिया है। लेकिन किसान बॉर्डर पर ही डटे हुए हैं, वह किसी भी सूरत में दिल्ली पहुंचना चाहते हैं। उनको लगता है संसद का शीत सत्र चालू है। पूरी हुकूमती मशीनरी इस समय एक साथ है, उनकी बातें आसानी से पहुंच सकती है। पर, ऐसा होता दिख नहीं रहा। केंद्र सरकार इतनी आसानी से सबकुछ मान लेगी, ऐसा भी दिखाई नहीं पड़ता। इसलिए किसान भी काफी उग्र हैं। अपने साथ लंबे आंदोलन को करने के लिए तामझाम लेकर पहुंच हैं। राशन, टैक्टर, मोटरसाइकिल, गैस सिलेंडर, तंबू आदि है उनके पास। किसानों ने दिल्ली मार्च का प्लान अचानक से ही बनाया। पहले की प्री-प्लान नहीं थी। क्योंकि किसान अपनी विभिन्न मांगो को लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण पर पिछले कुछ दिनों से धरनागत थे। उनकी प्रमुख मांगे हैं, उन्हें जमीन के बदले 10 पर्सेंट निर्मित प्लॉट और 64 पर्सेंट बढ़ा हुआ जमीन का शेष मुआवजा दिया जाए। साथ ही जितने किसान जमीन छिन जाने से भूमिहीन हुए हैं, उनके परिवार के बच्चों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार कोई न कोई रोजगार जैसी वैकप्लिक व्यवस्थाएं की जाएं, इसके अलावा एमएसपी गारंटी कानून लागू करें। फसलों की कीमतें डबर हों, खाद, बीज व कीटनाशक दवाईयों के रेट कम किए जाएं जैसी पुरानी मांगे भी उनकी बरकरार हैं। इस वक्त मंड़ियों में धान की खरीद में जो घटतौली हो रही है उसे तुरंत रोका जाए। ये मांगे ऐसी जिसे शायद ही सरकारें मांगे। प्रतीत ऐसा होता है कि ये किसान मूवमेंट भी बडा रूप ले सकता है। अभी तक गनीमत ये समझी जाए, इस मोर्चे में सिर्फ दर्जन भर ही किसान संगठन शामिल हुए हैं। हालांकि बाहर से करीब सौ से ज्यादा किसान संगठनों का समर्थन प्राप्त है। मोर्चे को रोकने को अगर कोई जल्द विकल्प नहीं निकाला गया, तो अन्य किसान संगठन भी कूदने में देर नहीं करेंगे। हांलाकि सोमवार को किसान मोर्चे को देखते हुए नोएडा ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली पुलिस की ओर से एडवाइजरी की गई जिसमें कालिंदी कुंज बॉर्डर, यमुना एक्सप्रेस-वे और डीएनडी बॉर्डर से बचने की लोगों को सलाह दी गई, क्योंकि इन जगहों पर मोर्चे का असर व्यापक रूप से देखने को मिला। लोग अनचाई परेशानी से जूझते दिखाई पड़े, स्कूली बच्चों भी जाम में फंसे रहे, एमबूलेंस भी नहीं निकल पाईं। नौकरीपेशा समय से अपने कार्यालयों में नहीं पहुंच पाए। ये हालात ऐसे ही बने रहेंगे, जब तक ये मूवमेंट चलता रहेगा। किसान मूवमेंट शुरू होने के कुछ घंटों बाद ही राजनीति भी आरंभ हो गई। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपना समर्थन दे दिया। कांग्रेस ने कहा दिल्ली बॉर्डर पर बैरिकेडिंग, वाटर कैनन, दंगा नियंत्रण गाड़ियां और अमित शाह की पूरी पुलिस तैनात की गई। ऐसा प्रतीत होता है जैसे की उनको किसी आंतकवादी को रोकना या पकड़ना हो? किसान भूमि अधिग्रहण का उचित मुआवजा और फसल के सही दाम की मांग लेकर दिल्ली आकर सोती सरकार को जगाना चाहते हैं इसमें बुरा क्या है? वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से बयान आया जिसमें कहा गया कि राष्ट्र की राजधानी किसी की बपौती तो है नहीं? फिर किसान क्यों नहीं आ सकते? प्रधानमंत्री पर भी उन्होंने हमला किया।

दैनिक महाराष्ट्र समचार मलिक मुद्रक प्रकाशांन व संपादक अकबर खान प्लोट ने 302, वी पी वर्डे रोड ए ,आर औटो वोर्क्स बिहाइंड गेटी सिनेमा बांद्रा वैस्ट मुंबई -400050 महाराष्ट्र, मोबाइल नंबर 9152073782. प्राचीता प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड- गला नः13 मकबा बिल्डिंग नियर एस ब्रिज एन एम जोशी मर्ग भैकल्ला वैस्ट मुंबई- 400027. किसी भी सुरत में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दिल्ली मेट्रो की केबल चोर काटकर ले गए, ब्लू लाइन पर सेवाएं हुईं बाधित

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर गुरुवार को केबल चोरी की वजह से सेवाएं प्रभावित हुई हैं। मोती नगर और कीर्ति नगर के बीच इस घटना के कारण मेट्रो ट्रेनों की गति धीमी कर दी गई, जिससे यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रभावित खंड पर मरम्मत कार्य आज रात परिचालन घंटों के बाद पूरा किया जाएगा। डीएमआरसी ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा के लिए अतिरिक्त समय का प्रावधान रखें। दिल्ली मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना विलंब को ध्यान में रखकर बनाएं। प्रभावित खंड पर मेट्रो सेवाएं सीमित गति से जारी रहेंगी। इस तरह की घटनाओं से न केवल मेट्रो सेवाएं प्रभावित होती हैं, बल्कि यात्रियों को भी काफी असुविधा होती है।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

यह पहली बार नहीं है जबकि केबल चोरी से सेवाएं प्रभावित हुई हैं। अगस्त में भी रेड लाइन पर झिलमिल और मानसरोवर पार्क स्टेशनों के बीच सिग्नल केबल चोरी हुई थी, जिससे दिलशाद गार्डन से शाहदरा मार्ग पर ट्रेनों की रफ्तार घटाकर 25 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई थी।

जब अभिनेता सलमान खान के शूटिंग सेट पर घुसा अनजान युवक

– गैंगस्टर का नाम लेते ही मुंबई पुलिस ने लिया हिरासत में

मुंबई। मुंबई के दादर इलाके में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के शूटिंग सेट पर एक शख्स अवैध रूप से घुस गया। शक होने पर जब उससे पूछताछ की गई तो उसने कहा कि मैं लॉरेंस बिश्नोई को कहूं क्या ? इसके बाद संदिग्ध को पूछताछ के लिए शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन ले जाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक ये घटना मुंबई के परिमंडल-5 में हुई। संदिग्ध ने कथित तौर पर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम का इस्तेमाल किया। पुलिस उसकी जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जब यह अज्ञात व्यक्ति अंदर आया तो सलमान खान शूटिंग स्थल पर मौजूद थे। जब उसने लॉरेंस बिश्नोई का नाम लिया तो क्रू में से कुछ लोगों ने उसे देख लिया। फिर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। आपको बता दें कि पिछले कुछ समय से सलमान खान लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर हैं और सलमान खान को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर कई बार धमकी भी मिल चुकी है। हाल ही में उनसे 5 करोड़ रुपये की फिरौती भी मांगी गई थी। कुछ महीने पहले सलमान के बांद्रा स्थित घर के बाहर फायरिंग भी हुई थी। इसमें लॉरेंस गैंग का नाम सामने आया था। कुछ दिनों पहले सलमान खान के सबसे अच्छे दोस्त और राज्य के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से सलमान की सुरक्षा का ख्याल और भी सजगता से रखा जाने लगा है।

मणिपुर हिंसा : थौबल में भारी मात्रा में मिले हथियार, दुष्कर्मी उप सरपंच भी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के थौबल जिले में तलाशी अभियान के दौरान 16 आग्नेयास्त्र, छह 36 एचई ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, गोला-बारूद और एक वॉकी-टॉकी सेट के साथ एक चार्जर बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि यह बरामदगी बुधवार को फुंगी चिंग न्गामुखोंग इलाके में तलाशी के दौरान की गई और इस संबंध में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस के बयान में कहा गया कि पहाड़ी और इंफाल घाटी दोनों में राज्य के विभिन्न जिलों में कुल मिलाकर 107 जांच चौकियां स्थापित की गई हैं और कानूनों के किसी भी उल्लंघन के संबंध में किसी को हिरासत में नहीं लिया गया। इंफाल घाटी स्थित मैतेई और आसपास के पहाड़ी क्षेत्र कुकी-जो समूहों के बीच पिछले साल मई से जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों बेघर हो गए हैं। मणिपुर हिंसा के दौरान लापता मैतेई व्यक्ति को ढूंढने के लिए और अरंबाई टेंगोल के नेता कोरोंगनबा खुमान के खिलाफ एनआईए के मामलों को वापस लेने की मांग की गई। जिसको लेकर बुधवार को इंफाल घाटी के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन हुए। पुलिस ने बताया कि सेना ने सिंह की खोज के लिए ड्रोन, ट्रैकर कुत्तों और 2,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया है। इम्फाल पश्चिम के लाफुपत तेरा, वांगोई और काकचिंग जिले के वबागई तथा काकचिंग खुनौ में प्रदर्शनकारियों ने खुमान के खिलाफ एनआईए के मामलों का विरोध किया। खुमान और कुकी उग्रवादियों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मामले दर्ज किए हैं, जिनमें सुरक्षा बलों पर हमले और आईईडी विस्फोट के मामले शामिल हैं। वहीं इस बीच, टेंग्नौपाल के लीथाओ और मोलथम खुन में मारे गए 13 मैतेई लोगों की पहली पुण्यतिथि इम्फाल पूर्वी जिले के एंड्रो खुनौ तोरोंगथेल कामू कोइरेंग इंटीग्रिटी पार्क में मनाई गई।

गांधीधाम में फर्जी ईडी टीम का पर्दाफाश, महिला समेत 12 आरोपी गिरफ्तार

कच्छ । गुजरात में अब तक फर्जी डॉक्टर, फर्जी हॉस्पिटल, फर्जी पुलिस, फर्जी जज पकड़े जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब गुजरात में फर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम कानून के हत्थे चढ़ गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि फर्जी ईडी की टीम में एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने महिला समेत 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही नकद समेत 45.82 लाख रुपए का माल-सामान भी जब्त कर लिया। दरअसल फर्जी ईडी अधिकारी बनकर 2 दिसंबर को कच्छ के गांधीधाम इलाके में राधिका ज्वैलर्स और उनके आवासीय घर में एक गिरोह ने हाथ साफ कर दिया था। गिरोह ने खुद को ईडी का अधिकारी बताते हुए सोना, चांदी और नकदी सहित रु. 25,25,225 मूल्य की कीमती चीजें चुरा लीं। घटना के बाद राधिका ज्वैलर्स के मालिक ने गांधीधाम ए डिवीजन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके आधार पर पुलिस की अलग-अलग टीमों को भुज, गांधीधाम और अहमदाबाद समेत अन्य जगहों पर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान फर्जी ईडी टीम के कुल 12 आरोपियों के खिलाफ सबूत मिले।

पुष्पा 2 को बांद्रा केगेयटी गैलेक्सी मे बिच मै रोकना पड़ा

मुंबई / अकबर खान

मुंबई अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है. वही बांद्रा केगेयटी गैलेक्सी मे इस फ़िल्म को बिच मै ही रोकना पड़ा । बता दे की।

किसी ने थिएटर मे कुछ स्प्रे किया था जिस से फ़िल्म देख रहे दर्शकों को ज़ोरदार खांसी शुरू हो गई द्य अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की पुष्पा 2ःद रूल दुनियाभर में रिलीज हो गई है. सुबह से ही फिल्म का हर जगह खुमार दिख रहा है. अब तक के रिव्यू में यह फिल्म छाप छोड़ती नजर आ रही है। तो चलिए जानते हैं कैसी ही यह फिल्म। अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2ः द रूल' सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है. आज से देश और दुनियाभर के सिनेमाघरों में पुष्पा-2 के पुष्पा राज का जलवा दिख रहा है। आज यानी 5 दिसंबर को अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2ः द रूल' कई भाषाओं में रिलीज हुई। पटना से लेकर दिल्ली और हैदराबाद से लेकर बेंगलुरु तक पुष्पा 2 का खुमार दिख रहा है. लोग इस फिल्म को वाइल्ड फायर बता रहे हैं. पटना में फिल्म देखकर आए दर्शकों ने तो इसे ब्लॉक बस्टर बता दिया. 4 दिसंबर को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बेंगलुरु के चुनिंदा सिनेमाघरों में रात 9:30 बजे फिल्म के पेड प्रीमियर शो रखे गए थे. 4 दिसंबर को रात 9:30 बजे हैदराबाद के संध्या थिएटर में स्पेशल शो शुरू हुआ तो खुद अल्लू अर्जुन भी वहां मौजूद थे. तो चलिए जानते हैं कि आखिर सिनेमाघरों से लौट रहे दर्शकों को यह फिल्म कैसी लग रही है?

पुष्पा-2 पहले ही दिन बड़ा रिकॉर्ड बना सकती है. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, पहले ही दिन 'पुष्पा 2' की नजर दो बड़े रिकॉर्ड पर- एक 'जवान' और सेकेंड 'एनिमल'. 65.50 करोड़ के साथ 'जवान' के नाम अब तक का सबसे बड़ा ओपनिंग का रिकॉर्ड है. अब सवाल है कि क्या 'पुष्पा 2' हिंदी के सबसे बड़े ओपनर के रूप में राजगद्दी हासिल कर पाएगी? 'एनिमल': की पहले दिन की कमाई 54.75 करोड़ थी। क्या 'पुष्पा 2' (हिंदी) एक नया मुकाम हासिल करेगी।

महापरिनिर्वाण दिवस आज, जानें बाबासाहेब अंबेडकर के जीवन से जुड़ी 10 खास बातें

आज संविधान के जनक डॉ. बीआर अंबेडकर की पुण्यतिथि है। 6 दिसंबर 1956 को बाबासाहेब अंबेडकर का देहावसान हुआ था। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर बड़े समाज सुधारक और विद्वान थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन जातिवाद को खत्म करने और गरीब, दलितों, पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए अर्पित किया। इसलिए आज के दिन उनकी पुण्यतिथि को देश भर में महापरिनिर्वाण दिवस (Mahaparinirvan Diwas 2022) के तौर पर मनाया जाता है। अंबेडकर ने वर्ष 1956 में बौद्ध धर्म अपनाया था। परिनिर्वाण बौद्ध धर्म के प्रमुख सिद्धांतों और लक्ष्यों में से एक है। इसका मतलब मौत के बाद निर्वाण होता है। बौद्ध धर्म के मुताबिक जो व्यक्ति निर्वाण प्राप्त करता है वह संसारिक इच्छाओं, मोह माया से मुक्त हो जाता है।

अंबेडकर पुण्यतिथि के दिन लोग उनकी प्रतिमा पर फूल-माला चढ़ाते हैं। दीपक व मोमबत्तियां जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। कई जगहों पर उनकी याद में कार्यक्रम होते हैं। उनके विचारों को याद करने के अलावा उनकी संघर्ष गाथा भी बताई जाती है।

1. दलितों और पिछड़ों के मसीहा डॉ भीमराव अम्बेडकर का जन्म मध्य प्रदेश के महू में 14 अप्रैल 1891 को हुआ। बाबा साहेब अंबेडकर का परिवार महार जाति (दलित) से संबंध रखता था, जिसे अछूत माना जाता था। उनके पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत थे। उनके पिता ब्रिटिश सेना की महू छावनी में सूबेदार थे।

2. बचपन से ही आर्थिक और सामाजिक भेदभाव देखने वाले अंबेडकर ने विषम परिस्थितियों में पढ़ाई शुरू की। स्कूल में उन्हें काफी भेदभाव झेलना पड़ा।

उन्हें और अन्य अस्पृश्य बच्चों को स्कूल में अलग बैठाया जाता था। वह खुद पानी भी नहीं पी सकते थे। ऊंच जाति के बच्चे ऊंचाई से उनके हाथों पर पानी डालते थे।

3. अंबेडकर का असल नाम अंबावाडेकर था। यही नाम उनके पिता ने स्कूल में दर्ज भी कराया था। लेकिन उनके एक अध्यापक ने उनका नाम बदलकर अपना सरनेम अंबेडकर उन्हें दे दिया। इस तरह स्कूल रिकॉर्ड में उनका नाम अंबेडकर दर्ज हुआ।

4. बाल विवाह प्रचलित होने के कारण 1906 में अंबेडकर की शादी 9 साल की लड़की रमाबाई से हुई। उस समय अंबेडकर की उम्र महज 15 साल थी। 1907 में उन्होंने मैट्रिक पास की और फिर 1908 में उन्होंने एलफिंस्टन कॉलेज में प्रवेश लिया। इस कॉलेज में प्रवेश लेने वाले वे पहले दलित छात्र थे। 1912 में उन्होंने बॉम्बे यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स व पॉलिटिकल साइंस से डिग्री ली।

5. 1913 में एमए करने के लिए वे अमेरिका चले गए। तब उनकी उम्र महज 22 साल थी। अमेरिका में पढ़ाई करना बड़ौदा के गायकवाड़ शासक सहयाजी राव तृतीय से मासिक स्कॉलरशिप मिलने के कारण संभव हो सका था। इसके बाद 1921 में उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स से एमए की डिग्री ली।

6. अंबेडकर दलितों पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए बहिष्कृत भारत, मूक नायक, जनता नाम के पाक्षिक और साप्ताहिक पत्र निकालने शुरू किये। 1927 से उन्होंने छुआछूत जातिवाद के खिलाफ अपना आंदोलन तेज कर दिया। महाराष्ट्र में रायगढ़ के महाड में उन्होंने सत्याग्रह भी शुरू किया। उन्होंने कुछ लोगों के साथ मिलकर 'मनुस्मृति' की तत्कालीन प्रति जलाई थी। 1930 में उन्होंने कलारम मंदिर आंदोलन शुरू किया।

8. 1935 में अंबेडकर को गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, बॉम्बे का प्रिंसिपल बनाया गया। वह दो साल तक इस पद पर रहे।

9. . आजादी की लड़ाई के बीच आंबेडकर ने 1936 में लेबर पार्टी का गठन किया। उनकी काबिलियत देख उन्हें संविधान की मसौदा समिति का अध्यक्ष बनाया गया। भारत की आजादी के बाद उन्हें पहला कानून मंत्री बनाया गया। अंबेडकर ने 1952 में बॉम्बे नॉर्थ सीट से देश का पहला आम चुनाव लड़ा था लेकिन हार गए थे। वह बार राज्यसभा से दो बार सांसद रहे।

10. संसद में अपने हिन्दू कोड बिल मसौदे को रोके जाने के बाद अंबेडकर ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। इस मसौदे में उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की बात कही गई थी। 14 अक्टूबर 1956 को अंबेडकर और उनके समर्थकों ने पंचशील को अपनाते हुए बौद्ध धर्म ग्रहण किया। 6 दिसंबर, 1956 को अंबेडकर की मृत्यु हो गई। 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिया गया।

समता परिषद मुंबई संस्था की तरफ से बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर 40 सालों से 1 और 2 रूपए मे खाना

मुंबई / अकबर खान

मुंबई, समता परिषद मुंबई संस्था की तरफ से बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर 40 सालों से 1 और 2 रूपए मे खाना और मुफ्त नाश्ता हज़ारों लोगों को दिया जाता द्य समता परिषद मुंबई संस्था द्वारा उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। समता परिषद मुंबई संस्था के अध्यक्ष व माजी मंत्री, विजय भाई गिरकर ने बताया कि इस अवसर

पर लाखों लोगों की सेवा की जाती है उन्हें सिर्फ एक या दो रूपए मे भरपेट खाना दिया जाता और सुबह का नाश्ता फ्री मे देते है द्य समता परिषद मुंबई संस्था के हज़ारों कार्येकर्ता 4 दिसम्बर से रात दिन लगे रहते है ।

बाबा साहब को हमेशा याद रखा जाएगा बाबा साहब ने संविधान में सभी वर्गो का ध्यान रखा। डॉ. भीमराव अंबेडकर एक महान व्यक्ति थे उनके द्वारा भारत का संविधान लिखा गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर गरीबों के मसीहा थे। बाबा साहब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाबा साहब ने हमेशा गरीब, दलित, मजदूर, किसानों के हितों को ध्यान में रखा।

सीजीएचएस कर्मियों के लिए बड़ी राहत

सीजीएचएस केंद्रीय कर्मचारियों के लिए मिल का पत्थर साबित हुआ

मुंबई / संवाददाता

मुंबई, जैसा कि हम सभी जानते हैं स्वास्थ्य ही धन है, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के लिए पूरे भारत में सी.जी.एच.एस. केंद्र स्थापित किए हैं। यह एक अच्छी खबर है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लाभ के लिए आकाशवाणी कॉलोनी बोरीवली (पश्चिम), मुंबई में एक नए सी.जी.एच.एस. केंद्र ने अपना काम शुरू कर दिया है।

डॉ. निर्मल मंडल, अतिरिक्त निदेशक, सी.जी.एच.एस, मुंबई ने केंद्र का भव्य तरीके से उद्घाटन किया। डॉ. मंडल ने कहा, ÷यह सभी का एक टीम वर्क है, केंद्र के निर्माण के बाद, केंद्र सरकार के कर्मचारियों और बोरीवली से विरार तक के लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, मैं मुंबई के कल्याण अधिकारी डॉ. जे.एम. सिंह के सहयोग से बहुत खुश हूं, जिन्होंने लगातार बहुत सहयोग किया, जिससे इस प्रतिभाशाली कार्य को संभव बनाने के लिए बहुत प्रोत्साहन मिला। आकाशवाणी, मुंबई के वरिष्ठ अधिकारी राजेश जैन संजय बोदले, बेलदार साहब ने कहा, हम अपने आकाशवाणी कॉलोनी में नए सीजीएस केंद्र को लेकर बेहद खुश हैं, इस परोपकारी कल्याण कार्य के लिए कल्याण अधिकारी डॉ. जे.एम. सिंह और अतिरिक्त निदेशक डॉ. मंडल और उनकी पूरी

सी.जी.एच.एस. टीम को उनके महान सहयोग के लिए मेरा विशेष धन्यवाद. इसके निर्माण के बाद, वर्तमान में, डॉ. नवीन कुट्टी और उनकी टीम डिस्पेंसरी का रखरखाव कर रही है और दवा उपलब्ध करा रही है, जिससे केंद्र सरकार के कर्मचारियों में खुशी की लहर है। मुंबई के कल्याण अधिकारी डॉ. जे.एम. सिंह ने कहा, आकाशवाणी कॉलोनी में सी.जी.एच.एस का नया केंद्र केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। यह समर्पित कड़ी मेहनत और टीम वर्क की भक्ति भावना की उपलब्धि है, डॉ सिंह ने कहा, मैं समाज कल्याण कार्य तब तक जारी रखूंगा जब तक सरकार और लोग अपना आशीर्वाद प्रदान करते रहेंगे।मुंबई और नवी मुंबई के सरकारी कर्मचारियों ने कहा, हमें कल्याण अधिकारी बनने के लिए डॉ. जेएम सिंह की कुछ और साल की जरूरत है, ताकि हम लंबित कल्याण गतिविधियों को पूरा कर सकें।

युवा ऊर्जा की शक्ति भारत को मजबूत और महान बना सकती है: डॉ. बिजय महाराणा

नई दिल्ली / संवाददाता

नई दिल्ली, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता महासचिव डॉ. बिजयकुमार महाराणा ने दिल्ली के युवाओं को समझाया कि योग और प्राणायाम के नियमित अभ्यास से अपने मन और विचार प्रक्रिया को कैसे नियंत्रित किया जाए। अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर डॉ. बिजयकुमारदिल्ली इस्कॉन से अर्चित महाराज ने सभी को गीता का महत्व बताया और दिव्यांश खंडेलवाल ने मृदंग बहुत अच्छी तरह बजाया। विभिन्न कॉलेजों के छात्र नई दिल्ली के हुजखोश गांव के पास डियर पार्क में एकत्र हुए। डॉ महाराणा ने कहा, केवल योग और भगवान की भक्ति ही बहुत महत्वपूर्ण है जो छात्रों

के बेहतर भविष्य के निर्माण में सहायक हो सकती है। भारत के युवा मंत्री ने कहा कि हम 12 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवाओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियाँ रखने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीय स्टेडियम से इंडिया गेट तक

हमारी संविधान दिवस रैली के दौरान राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता डॉ बिजयकुमार की भावना को नहीं भूल सकते, डॉ महाराणा में योग भावना और अदृश्य शक्तियाँ हैं जो बहुत जल्द युवाओं को प्रेरित कर सकती हैं।भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के मुख्य कल्याण अधिकारी प्रशांत शुक्ला ने कहा कि हम इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉक्टर महाराणा के साथ मिलकर भविष्य में कुछ कल्याणकारी गतिविधियां आयोजित करने जा रहे हैं।

इतिहास में आज: 5 घंटे में ही गिरा दिया था बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा, बाद में भड़के दंगों में 2 हजार लोग मारे गए थे

मुंबई / संवाददाता

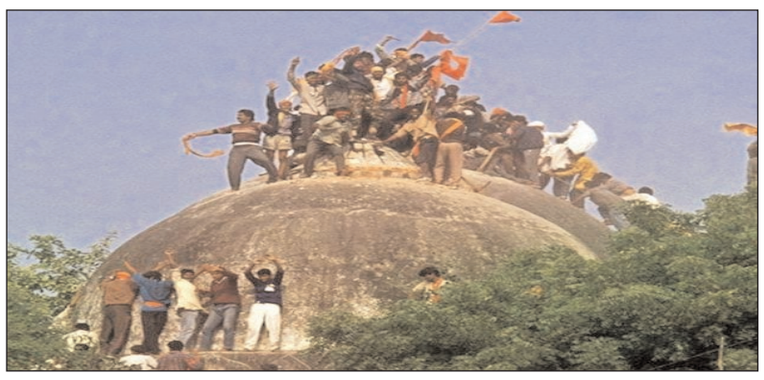

मुंबई, आज से 28 साल पहले 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या में लाखों कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा गिरा दिया था। अयोध्या की बाबरी मस्जिद को लेकर सैकड़ों साल से विवाद चला आ रहा था। भाजपा नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने राम मंदिर निर्माण के लिए 1990 में आंदोलन शुरू किया था।

5 दिसंबर 1992 की सुबह से ही अयोध्या में विवादित ढांचे के पास कारसेवक पहुंचने शुरू हो गए थे। उस समय सुप्रीम कोर्ट ने विवादित ढांचे के सामने सिर्फ भजन-कीर्तन करने की इजाजत दी थी। लेकिन अगली सुबह यानी 6 दिसंबर को भीड़ उग्र हो गई और बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा गिरा दिया। कहते हैं कि उस समय 1.5 लाख से ज्यादा कारसेवक वहां मौजूद थे और सिर्फ 5 घंटे में ही भीड़ ने बाबरी का ढांचा गिरा दिया गया था। शाम 5 बजकर 5 मिनट पर बाबरी मस्जिद जमींदोज हो गई।

इसके बाद देशभर में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे।

इन दंगों में 2 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। मामले की स्नद्धक्र दर्ज हुई और 49 लोग आरोपी बनाए गए। आरोपियों में लालकृष्ण आडवाणी, उमा भारती, मुरली मनोहर जोशी, कल्याण सिंह, चंपत राय, कमलेश त्रिपाठी जैसे भाजपा और विहिप के नेता शामिल थे। मामला 28 साल तक कोर्ट में चलता रहा और इसी साल 30 सितंबर को लखनऊ की CBI कोर्ट ने सभी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। फैसले के वक्त तक 49 में से 32 आरोपी ही बचे थे, बाकी 17 आरोपियों का निधन हो चुका था। इसके अलावा पिछले साल 9 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने जमीन के मालिकाना हक को लेकर फैसला दिया था। इस फैसले के तहत जमीन का मालिकाना राम जन्मभूमि मंदिर के पक्ष में सुनाया। मस्जिद के लिए 5 एकड़ जमीन अलग से देने का आदेश दिया। इसी साल 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन किया था।

आज ही के दिन हुआ था डॉ. अंबेडकर का निधन भीमराव रामजी अंबेडकर, जिन्हें लोग बाबासाहेब अंबेडकर के नाम से भी जानते थे। 6 दिसंबर 1956 को उनका निधन हो गया था। डॉ. अंबेडकर ही थे, जिन्होंने हमारे देश का संविधान बनाया था। आज उन्हीं के बनाए संविधान पर हमारा देश चल रहा है। संविधान निर्माता होने के साथ-साथ डॉ. अंबेडकर हमारे देश के पहले कानून मंत्री भी थे।

डॉ. अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। वो 14 भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। गरीब परिवार में जन्मे अंबेडकर ने छुआछूत का जमकर विरोध किया। इसी ने उन्हें दलितों का नेता भी बना दिया।

उन्हें बॉम्बे (अब मुंबई) यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया। बाद में उन्होंने अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी और लंदन यूनिवर्सिटी से मास्टर्स डिग्री हासिल की। उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी भी की।

आजादी के बाद उन्हें कानून मंत्री बनाया गया। साथ ही कॉन्स्टीट्यूशन ड्राफ्टिंग कमेटी का चेयरमैन भी अपॉइन्ट किया गया। डॉ. अंबेडकर को डायबिटीज की शिकायत थी। 6 दिसंबर 1956 को नींद में ही उनका निधन हो गया।

भारत और दुनिया में 6 दिसंबर की महत्वपूर्ण घटनाएं इस प्रकार हैं-

1917 : फिनलैंड ने खुद को रूस से स्वतंत्र घोषित किया।

1921 : ब्रिटिश सरकार और आयरिश नेताओं के बीच हुई एक संधि के बाद आयरलैंड को एक स्वतंत्र राष्ट्र और ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का स्वतंत्र सदस्य घोषित किया गया।

1946 : भारत में होमगार्ड की स्थापना।

1956 : भारतीय राजनीति के मर्मज्ञ, विद्वान शिक्षाविद् और संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर का निधन।

1978 : स्पेन में 40 साल के तानाशाही शासन के बाद देश के नागरिकों ने लोकतंत्र की स्थापना के लिए मतदान किया। यह जनमत संग्रह संविधान की स्वीकृति के लिए कराया गया।

2007 : ऑस्ट्रेलिया के स्कूलों में सिख छात्रों को अपने साथ कृपाण ले जाने और मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने की इजाजत मिली।

एकनाथ शिंदे युग खत्म हुआ, उन्हें किनारे कर दिया गया है... फडणवीस के शपथ ग्रहण से पहले संजय राउत का तंज

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि एकनाथ शिंदे के शासन का युग खत्म हो गया है और दावा किया कि वह फिर कभी इस राज्य के सीएम नहीं बनेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी पर उनका इस्तेमाल करने और किनारे कर देने का आरोप लगाया. ऐसा एक दिन बाद हुआ जब भाजपा ने सर्वसम्मति से महाराष्ट्र में शीर्ष पद के लिए देवेंद्र फड़नवीस को चुना।

संजय राउत ने ने कहा शिंदे युग ख़त्म हो गया, वो सिर्फ़ दो साल के लिए था। उसका प्रयोग है। उन्होंने भाजपा पर अपनी राजनीतिक रणनीति का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये शिंदे की पार्टी भी तोड़ सकते हैं, ये तो हमेशा से बीजेपी रही है। यह सवाल करते हुए कि बहुमत होने के बावजूद महायुति गठबंधन को सरकार बनाने में 15 दिन क्यों लगे, राउत ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर संभावित दरार का संकेत दिया और कहा कि यह मुद्दा कल से दिखना शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस आज से राज्य के सीएम होंगे। बहुमत होने के बावजूद सरकार बनाने के लिए 15 दिन का समय, राउत ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर संभावित दरार का संकेत दिया और कहा कि यह मुद्दा कल से दिखना शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वे महाराष्ट्र या देश के हित में काम नहीं कर रहे हैं। वे अपने स्वार्थ के कारण एक साथ आए हैं...लेकिन राज्य भर में लोग चुनाव नतीजों के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं, जिससे उन्हें यह मंजूर नहीं है।% फिर भी आज प्रदेश को सीएम मिल रहा है, हम उनका स्वागत करते हैं।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वह महाराष्ट्र के लोगों से की गई अपनी सभी प्रतिबद्धताओं पर खरे उतरेंगे। सीएम का चेहरा तय करने में सरकार को 10 दिन से अधिक का समय लग गया...तीनों के बीच इतने सारे मतभेदों को देखते हुए, मुझे उम्मीद है कि महाराष्ट्र के लोगों को परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी की रणनीति अपने राजनीतिक सहयोगियों की पीठ में छुरा घोंपने की रही है। शिरोमणि अकाली दल, शिव सेना...वे (भाजपा) अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल करते हैं और फेंक देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बाइडेन ने विदाई से पहले भारत के साथ जबरदस्त रक्षा डील को दी मंजूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने सोमवार को कांग्रेस (अमेरिका की संसद) को अधिसूचित किया कि उसने 'एमएच-60आर मल्टी-मिशन हेलीकॉप्टर इक्यूपमेंट और संबंधित उपकरणों की बिक्री को मंजूरी देने का फैसला किया है

जिसकी अनुमानित लागत 1.17 अरब अमेरीकी डॉलर है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने 'कांग्रेस को एक अधिसूचना में बताया कि उपकरणों की बिक्री की प्रस्तावित योजना, भारत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं का उन्नयन कर वर्तमान और भविष्य के खतरों को रोकने की क्षमता में सुधार करेगी। बाइडेन प्रशासन ने भारत को प्रमुख रक्षा उपकरणों की बिक्री की मंजूरी अपने चार साल के कार्यकाल के पूरा होने से कुछ सप्ताह पहले दी है। पांच नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। अधिसूचना के अनुसार, भारत ने 30 'मल्टीफंक्शनल इन्फॉर्मेशन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम-जॉइंट टेक्टिकल रेडियो सिस्टम्स (एमआईडीएस-जेटीआरएस) खरीदने का प्रस्ताव रखा है। इस बिक्री में मुख्य रूप से अनुबंध 'लॉकहीड मार्टिन रोटरी और मिशन सिस्टम के साथ होगा। इसमें कहा गया है कि इसके कार्यान्वयन के वास्ते तकनीकी सहायता और प्रबंधन निरीक्षण के लिए अस्थायी आधार पर अमेरिका की सरकार 20 या अनुबंध में शामिल कंपनियों के 25 प्रतिनिधियों की भारत की यात्रा की जरूरत होगी।

इमरान खान, उनकी पत्नी और 94 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की

आतंकवाद निरोधक अदालत ने इमरान खान की पार्टी के समर्थकों द्वारा पिछले सप्ताह इस्लामाबाद में किए गए प्रदर्शन से संबंधित एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और 93 अन्य के खिलाफ सोमवार को गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। 'पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने 24 नवंबर को देशव्यापी प्रदर्शन के लिए ''अंतिम आह्वान किया था जिसमें उनकी और अन्य नेताओं को रिहा करने, आठ फरवरी के चुनावों में पीटीआई की जीत को मान्यता देने के अलावा 26वें संविधान संशोधन को निरस्त करने की मांग की गई थी। 26वें संविधान संशोधन ने न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की प्रक्रिया को बदल दिया था। इस्लामाबाद पुलिस ने इस्लामाबाद स्थित आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी) में 96 संदिग्धों की सूची सौंपी, जिसमें पार्टी के प्रमुख नेताओं जैसे इमरान खान, बुशरा बीबी, गंडापुर, पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष असद कैसर, पार्टी अध्यक्ष गौहर खान, नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब खान और कई अन्य नेताओं के नाम शामिल था। इस्लामाबाद पुलिस ने अदालत से इन सभी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान में खिलौना बम फटने से 2 सगे भाइयों समेत तीन बच्चों की मौत

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को खिलौना बम फटने से दो सगे भाइयों समेत कम से कम तीन बच्चों की मौत हो गई। यह घटना बन्नू के वजीर उपखंड के जानी खेल इलाके में हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बच्चे मदरसे से घर लौट रहे थे तभी मोर्टार के खोल में विस्फोट हुआ और दो भाइयों समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। मोर्टार का खोल एक सुनसान इलाके में पड़ा था। बच्चों ने इसे खिलौना समझकर उठा लिया, जिससे भीषण धमाका हुआ। पूर्व में भी कई बच्चे इस तरह के ''खिलौनों से खेलते समय अपनी जान गंवा चुके हैं। ये 'खिलौने जांच में विस्फोटक उपकरण निकले। इस तरह की घटनाएं ज्यादातर उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में ही सामने आती रही हैं। सोवियत सेना द्वारा 1980 के दशक में पड़ोसी अफगानिस्तान में उनके आक्रमण का विरोध करने वाले लोगों के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए ''खिलौना बम गिराए गए थे।

इजराइल में मस्जिदों से स्पीकर हटाए जाएंगे-पुलिस को स्पीकर जब्त करने का आदेश

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में मस्जिदों में स्पीकर से अजान पर रोक लगा दी गई है। रक्षा मंत्री इतामार बेन ग्विर ने पुलिस को मस्जिदों में लगे स्पीकर जब्त करने और शोर करने पर जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, पूर्वी यरुशलम और कई दूसरे इलाकों में मस्जिदों से आने वाले तेज शोर की शिकायत की गई है। स्पीकर बैन की मांग करने वालों का कहना है कि इसकी तेज आवाज से सुबह की नींद में खलल पड़ता है। बेन ग्विर ने पुलिस कमांडरों से कहा- वह जल्द एक बिल पेश करेंगे जो शोर मचाने वाली मस्जिदों पर जुर्माना बढ़ाया जाएगा। कुछ शहरों के मेयर ने कहा- हम बेन ग्विर के इस कदम को मुस्लिमों के खिलाफ उकसावे की कार्रवाई के तौर पर देखते हैं, इससे दंगे फैल सकते हैं।

चीन की सेना को खोखला कर रहा भ्रष्टाचार! शी जिनपिंग भी परेशान

बीजिंग, एजेंसी। चीन की सेना में इन दिनों खलबली मची हुई है। यहां एक के बाद एक भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए हैं और कई बड़े अधिकारियों पर भी गाज गिरी है। फिलहाल चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपने सैन्य नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखे हुए हैं। इसी क्रम में उन्होंने एक और बड़े अधिकारी पर शिकंजा कसा है। हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सदस्य और राजनीतिक कार्य विभाग के प्रमुख एडमिरल मियाओ हुआ को अनुशासनहीनता के गंभीर आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। चीन में यह शब्द आमतौर पर भ्रष्टाचार के मामलों के लिए प्रयोग किया जाता है।

मियाओ को हाल ही में लिया गया था हिरासत में : रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू क्यान ने बताया कि मियाओ की उम्र 69 वर्ष है और वह शी जिनपिंग के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में फुजियान प्रांत में एक राजनीतिक अधिकारी के रूप में कार्य किया था, जब शी वहां स्थानीय अधिकारी थे। मियाओ को कथित तौर पर नौ नवंबर को हिरासत में लिया गया था।

पीएलए में भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक अभियान : पिछले वर्ष से, शी

जिनपिंग ने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) में भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक अभियान छेड़ा है। उनके निशाने पर विशेष रूप से रॉकेट फोर्स है, जो चीन के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को संभालती है। इस दौरान कई उच्च रैंक के जनरलों को उनके पदों से हटा दिया गया, जिनमें पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और वेई फेंघे शामिल हैं। दोनों को जून में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

पीएलए नेताओं के लिए एक बड़ी नाकामयाबी : एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ लाइल मॉरिस ने कहा, अक्तूबर 2022 में 20वीं पार्टी कांग्रेस में छह सदस्यीय सीएमसी की घोषणा की गई थी। बाद में दो लोगों ली शांगफू और मियाओ हुआ को जांच के दायरे में रखा गया। यह अकेले ही शी के सबसे भरोसेमंद पीएलए नेताओं के लिए एक बड़ी नाकामयाबी है। उन्होंने कहा कि मियाओ ने नौसेना की वर्दी पहनी हुई थी, लेकिन उनकी पृष्ठभूमि मुख्य रूप से ताइवान का सामना करने वाली जमीनी सेना में थी। वास्तव में, फुजियान प्रांत में उनकी पोस्टिंग शी के प्रशासनिक समय के साथ मेल खाती थी। शी के एक शिष्य होने के नाते, उन्हें दिसंबर 2014 में पीएलए नेवी (पीएलएएन) में स्थानांतरित होने और इसका राजनीतिक आयुक्त बनने की अनुमति मिली। उनकी गैर-पारंपरिक क्रॉस-सेवा पुनः नियुक्तियां शी के स्थापित नेटवर्क को दरकिनार करने और व्यक्तिगत वफादारी विकसित करने के प्रयास के पैटर्न को दर्शाती हैं। इतना ही नहीं, शी के सत्ता में आने के बाद से मियाओ सातवें सीएमसी सदस्य बने। शी ने व्यक्तिगत रूप से 31 जुलाई 2015 को उन्हें पूर्ण एडमिरल के पद पर पदोन्नत किया और अक्तूबर 2017 में उन्हें सीएमसी में पदोन्नत किया।

शी जिनपिंग का सैन्य सुधार अभियान : शी जिनपिंग का उद्देश्य चीन की सेना को विश्व-स्तरीय बनाने का है, जिसके तहत उन्होंने सेना की युद्ध क्षमता और क्षेत्रीय दावों की रक्षा को मजबूत करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। इसके बावजूद, पीएलए में भ्रष्टाचार की गहरी जड़ें शी जिनपिंग के सैन्य सुधार अभियान को चुनौती दे रही हैं। लाइल मॉरिस ने कहा, चीन की सेना में भ्रष्टाचार केवल कुछ अधिकारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी प्रणाली में गहराई से समाया हुआ है। यह समस्या शी जिनपिंग और उनके उत्तराधिकारियों के लिए आने वाले वर्षों में भी चुनौती बनी रहेगी। यह घटनाक्रम तब हो रहा है, जब शी जिनपिंग अपनी सेना को अत्याधुनिक और लड़ाई के लिए तैयार बनाने के अपने मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं।

क्या बोले वुथनो : अमेरिका में नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी में इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल स्ट्रैटेजिक स्टडीज के जोएल वुथनो ने बताया, मियाओ हुआ को हटाना एक बड़ी बात है, क्योंकि वह अंतिम अंदरूनी व्यक्ति थे। किसी को यह भी सोचना होगा कि इसमें से कितना वित्तीय भ्रष्टाचार के बारे में है, और कितना पीएलए में अनियंत्रित शक्ति केंद्रों के उभरने की चिंताओं के बारे में है। दरअसल, भ्रष्टाचार के आरोपों में कई तरह के पाप शामिल हो सकते हैं, जैसे कि शी के राजनीतिक एजेंडे को कमजोर करना, गुट बनाना, शी के निर्देशों को पूरी तरह से लागू नहीं करना, या यहां तक कि शी की राजनीतिक सुरक्षा को भी खतरे में डालना। मियाओ के वास्तविक अपराध से कोई फर्क नहीं पड़ता, चीन की आर्थिक दुर्दशा के बिगड़ने के साथ शी तेजी से बौखलाए दिख रहे हैं। मियाओ के निलंबित होने के साथ, सीएमसी में केवल पांच लोग रह गए हैं, जिसमें शी इसके अध्यक्ष भी शामिल हैं।

बांग्लादेश हाई कोर्ट में भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने की मांग

ढाका, एजेंसी। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई है. इस याचिका में बांग्लादेशी संस्कृति और समाज पर भारतीय मीडिया के प्रभाव पर बढ़ती चिंताओं का हवाला देते हुए देश में भारतीय टीवी चैनलों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है. सोमवार को याचिका दायर करने वाले वकील एखलास उद्दीन भुइयां ने भारतीय टीवी चैनलों के प्रसारण पर रोक लगाने के लिए केबल टेलीविजन नेटवर्क ऑपरेशन एक्ट 2006 के तहत निर्देश देने की मांग की है.

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, इसमें यह भी पूछा गया है कि बांग्लादेश में भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश देने वाला नियम क्यों नहीं जारी किया जाना चाहिए. न्यायमूर्ति फातिमा नजीब और न्यायमूर्ति सिकदर महमूदुर रजी की उच्च न्यायालय की पीठ में आवेदन पर सुनवाई हो सकती है. याचिका में सूचना मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सचिव, बांग्लादेश दूरसंचार नियामक आयोग (बीटीआरसी) और अन्य को प्रतिवादी बनाया गया है. ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, याचिका में स्टार जलसा, स्टार प्लस, जी बांग्ला, रिपब्लिक बांग्ला और अन्य सभी भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है. याचिका में आरोप लगाया गया है कि भारतीय चैनलों पर भड़काऊ खबरें प्रसारित की जा रही हैं. बांग्लादेशी संस्कृति का विरोध करने वाली सामग्री का अनियंत्रित प्रसारण युवाओं को बर्बाद कर रहा है. इसके अलावा, यह आरोप लगाया गया है कि ये चैनल किसी भी नियमन का पालन किए बिना काम करते हैं. उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ हिंसक हमलों में वृद्धि देखी गई है, जिससे अधिक सुरक्षा और समर्थन की मांग की जा रही है।

बांग्लादेशी हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ वैश्विक स्तर पर विरोध तेज, कनाडा में सड़कों पर प्रदर्शन

टोरंटो, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और पुजारियों की गिरफ्तारी के विरोध की लहर अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फैल रही है। इस्कॉन (अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण चेतना सोसायटी) ने बताया कि रविवार को दुनिया के 1000 से अधिक मंदिरों में बांग्लादेश में शांति और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं। कनाडा में बसे बांग्लादेशी हिंदुओं ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया और सरकार से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए दबाव बनाने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के सम्मान और सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। बांग्लादेश प्रशासन ने इस्कॉन से जुड़े चिन्मय दास प्रभु को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया। इसके बाद तीन अन्य हिंदू पुजारियों को भी हिरासत में लिया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन पुजारियों को दवाएं उपलब्ध कराने तक पर रोक लगा दी गई है। बांग्लादेश सरकार ने इस्कॉन के 63 ब्रह्मचारियों को वैध भारतीय वीजा और दस्तावेज होने के बावजूद भारत में प्रवेश करने से रोक दिया। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि बांग्लादेशी सीमा पुलिस ने खुफिया विभाग के निर्देशों का हवाला देकर इन्हें रोका।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा हिजबुल्ला, संघर्ष विराम समझौते का किया उल्लंघन

यरुशलम, एजेंसी। बीते एक साल से ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच जंग जारी हैं। वहीं, इस युद्ध की लपटें लेबनान और ईरान तक पहुंच चुकी हैं। हालांकि, शांति की एक पहल के रूप में इस्राइल और लेबनान ने शुरुआती दो महीने के लिए 27 नवंबर को संघर्ष विराम समझौते पर मुहर लगाई थी। मगर इस बीच, हिजबुल्ला और इस्राइल के बीच फिर तनातनी दिखी। दरअसल, इस्राइल का दावा है कि हिजबुल्ला ने संघर्ष विराम समझौते का उल्लघंन किया है। साथ ही चेतावनी दी है कि वह भी अपने नागरिकों की रक्षा के लिए काम करना जारी रखेगा।

इस्राइल ने दिया हिजबुल्ला को मुंह तोड़ जवाब : इस्राइली रक्षा बलों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, इस्राइल की वायुसेना ने थोड़ी देर पहले लेबनान में हिजबुल्ला के आतंकवादियों, दर्जनों लांचरों और आतंकवादी बुनियादी ढांचे को मार गिराया। इसके अलावा, माउंट डोव की ओर दो प्रोजेक्टाइल हमले करने के तुरंत बाद वायुसेना ने दक्षिणी लेबनान के बरघोज क्षेत्र में हिजबुल्ला के लॉन्चर पर हमला किया।

संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन : उसने आगे कहा, हिजबुल्ला का आज रात का हमला इस्राइल और लेबनान के बीच संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन है। इस्राइल मांग करता है कि लेबनान में संबंधित पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करें और लेबनानी क्षेत्र के भीतर से हिजबुल्ला की शत्रुतापूर्ण गतिविधि को रोकें। इस्राइल लेबनान

में युद्धविराम समझौते की शर्तों को पूरा करने के लिए बाध्य है। साथ ही चेतावनी देते हुए इस्राइली रक्षा बलों ने कहा, आईडीएफ जहां भी जरूरी होगा संचालन जारी रखने के लिए तैयार है और इस्राइल के नागरिकों की रक्षा के लिए काम करना जारी रखेगा।

इस्राइल के युद्धविराम उल्लंघन का जवाब-हिजबुल्ला : इससे पहले, हिजबुल्ला ने सोमवार को कब्जे वाले शेबा फार्म्स पर दो मिसाइलें दागी थीं। बीते बुधवार को युद्धविराम समझौता लागू होने के बाद हिजबुल्ला का यह पहला हमला था। इस्राइली सेना ने कहा था कि ये मिसाइलें खुले इलाकों में गिरीं और किसी को नुकसान नहीं हुआ। वहीं, हिजबुल्ला ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा था कि यह हमला इस्राइल द्वारा बार-बार युद्धविराम उल्लंघन का जवाब था। लेबनान ने इस्राइल पर पिछले छह दिनों में 50 से अधिक बार संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। हिजबुल्ला ने कहा था कि इस्राइल के संघर्ष विराम उल्लंघनों ने कई रूप ले लिए हैं, जिनमें नागरिकों के खिलाफ गोलीबारी और लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों पर हवाई हमले शामिल हैं। इन हमलों के परिणामस्वरूप कई नागरिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

अमेरिका में भारतीय मूल के फोटोग्राफर पर नस्लीय हमला

एलए एयरपोर्ट पर महिला ने भारतीयों को पागल कहा, एयरलाइन्स ने नो-फ्लाई लिस्ट में डाला

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। लॉस एंजिल्स एयरपोर्ट पर शटल बस में भारतीय मूल के अमेरिकी फोटोग्राफर परवेज तौफीक और उनके परिवार पर नस्लीय हमला किया गया। एक महिला ने तौफीक के परिवार पर नस्लीय टिप्पणी करते हुए कहा- तुम्हारा परिवार भारत से है, तुम्हें रूल्स की कोई इज्जत नहीं है... भारतीय पागल हैं। महिला की इस हरकत पर यूनाइटेड एयरलाइन्स ने उसे नो-फ्लाई लिस्ट में डाल दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। मामले की शुरुआत तब हुई जब महिला ने तौफीक के बेटे पर नस्लीय टिप्पणी करना शुरू कर दिया। तौफीक ने जैसे ही इसका वीडियो बनाना शुरू किया तो महिला ने मिडिल फिंगर दिखाते हुए चिल्लाना शुरू कर दिया। महिला ने कहा- तुम्हारा परिवार भारत से है, तुम्हें रूल्स की कोई इज्जत नहीं है, तुम्हें लगता है कि तुम हर किसी को धक्का दे सकते हो। तुम लोग पागल हो। खुद को ही पीड़ित बताने लगी महिला मामला बिगड़ता देख जब सिक्योरिटी गार्ड्स को बुलाया गया तो महिला खुद को ही पीड़ित बताने लगी। महिला ने कहा- वह (एयरलाइन कर्मचारी)

इस बात की परवाह नहीं करती कि मैं नस्लवादी हूं, तुम मेरे लिए नस्लवादी हो, मैं अमेरिकन हूं। तौफीक ने कहा- हम भी अमेरिकन ही हैं। जवाब में महिला कहा- तुम अमेरिकी नहीं हो। ओरिजिनली नहीं। तुम भारत से हो। हालांकि, दूसरे पैसेंजर्स फोटोग्राफर का सपोर्ट किया। तौफीक ने घटना का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा- इस वक्त मेरा खून खौल रहा है। मैं इस पर यकीन भी नहीं कर सकता। वह मेरे बच्चों को चुप रहने के लिए कह रही थी, और मैं अपना आपा खो बैठा। मैंने कहा- तुम्हें मेरे बच्चों से इस तरह बात करने का हक नहीं है। अमेरिका में भारतीय के खिलाफ नस्लीय हिंसा बढ़ी अमेरिका में पिछले कुछ वक्त से भारतीयों के खिलाफ नस्लीय हिंसा में बढ़ोतरी देखी गई है। साल 2024 के शुरुआती तीन महीनों में ही भारतीय छात्रों की हत्या का आंकड़ा दहाई को पार कर गया था। कंजर्वेटिव पार्टी ने इसे लेकर अमेरिकी संसद में सवाल भी पूछा था। जिसके जवाब में व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में इस तरह के मामले को लेकर जीरो टॉलरेंस की बात कही गई थी। इंडो-अमेरिकी डेमोक्रेट लीडर और कांग्रेस मैन श्री थानेदार ने हिंदूफोबिया के खिलाफ लड़ने की बात कही थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका में घृणा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए

ट्रम्प ने हमास को धमकी दी-कहा- 20 जनवरी तक बंधकों को रिहा करो, नहीं तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व में चल रहे बंधक संकट के बारे में हमास को एक कड़ी चेतावनी जारी की है. उन्होंने कहा है कि यदि नियत समय से पहले बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो मध्य पूर्व के कई देश नरक में बदल जायेंगे. ट्रम्प ने अपनी बात कहने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल का इस्तेमाल किया है. ट्रंप ने कहा कि कृपया इस सच्चाई को सभी लोग जान लें कि यदि 20 जनवरी तक बंधकों को रिहा नहीं किया गया. तो फिलिस्तिन के समर्थक मध्यपूर्व देशों को नरक बनते देर नहीं लगेगी. बता दें कि 20 जनवरी को ट्रंप अमेरिका के नये राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे. यह बतौर राष्ट्रपति उनका दूसरा कार्यकाल होगा. ट्रंप ने इस मामले पर पिछली बातचीत में कहा कहा था कि हर मुद्दे पर वार्ता करने की बात हो रही है, लेकिन कोई भी मजबूत ढंग से बंधकों की रिहाई की बात नहीं कर रहा है. उनके लिए कोई कार्रवाई नहीं हो रही है. यह बहुत ही हिंसक बात है. उन्होंने कहा कि हर कोई उन बंधकों के बारे में बात कर रहा है, लेकिन सिर्फ बातें ही हो रही हैं. कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है. ट्रंप ने कसम खाई कि बंधक बनाने वाले लोग अमेरिका की ओर से विदेशी संस्थाओं के खिलाफ की गई किसी भी कार्रवाई से अधिक भीषण कार्रवाई का सामना करेंगे. उन्होंने कहा कि उन जिम्मेदार लोगों को अमेरिका के लंबे और संग्रहीत इतिहास में अबतक के सबसे भीषण हमलों का सामना करन पड़ेगा. 7 अक्टूबर को, हमास ने इजराइल पर एक आतंकी हमला किया, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधकों को लिया. उनमें से लगभग 100 अभी भी कैद में हैं, और कई लोगों को मृत होने की आशंका है. जवाब में, इजराइल ने गाजा में हमास इकाइयों को एक मजबूत जवाबी लक्ष्य लॉन्च किया. हालांकि, इजरायल के ऑपरेशन के परिणामस्वरूप, गाजा में 45,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है. इस हफ्ते पेरिस जाएंगे ट्रम्प ट्रम्प इस हफ्ते के अंत में पेरिस जाने की योजना बना रहे हैं। वहां वे 7 दिसंबर को नोट्रे डेम कैथेड्रल चर्च के पुनः उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनेंगे। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद यह ट्रम्प की पहली विदेश यात्रा होगी। फ्रांस सरकार ने ट्रम्प को उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए न्योता भेजा था। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प की टीम इस यात्रा को लेकर फ्रांसीसी अधिकारियों से कई दिनों से बात कर रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक न्योता मिलते ही ट्रम्प तुरंत फ्रांस जाने के लिए तैयार हो गए। ट्रम्प को नोट्रे डेम कैथेड्रल से काफी लगाव है। अप्रैल, 2019 में जब यहां आग लगी थी तो ट्रम्प ने इसपर दुख जताया था। इस समारोह में 50 राष्ट्राध्यक्षों के आने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया : 2.34 टन कोकीन जब्त, पुलिस ने तय किए 13 लोगों पर आरोप

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने देश के इतिहास में कोकीन की रिकॉर्ड खेप जब्त करने के मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार कर उन पर आरोप तय किये हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) ने ऐलान किया कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोह से जुड़ी जांच के बाद 11 वयस्कों और दो किशोरों को आरोपी बनाया है। इन पर समुद्र के रास्ते उत्तरपूर्वी ऑस्ट्रेलियाई राज्य क्वींसलैंड में 2.34 टन कोकीन आयात संबंधित आरोप लगाए गए है। बताया जा रहा है कि यह आस्ट्रेलियाई इतिहास में कोकीन की सबसे बड़ी जब्ती है, जिसका अनुमानित मूल्य 760 मिलियन आस्ट्रेलियाई डॉलर (493.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) है। एएफपी और क्वींसलैंड पुलिस सेवा (क्यूपीएस) के अधिकारियों ने शनिवार रात और रविवार तड़के आरोपियों की गिरफ्तारियां की। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक जहाज का चालक दल भी शामिल है जो कथित तौर पर क्वींसलैंड में कोकीन आयात करने की कोशिश कर रहा था और कई लोग अवैध ड्रग्स को इकट्ठा करने के लिए तट पर इंतजार कर रहे थे। एएफपी अदालत में आरोप लगाएगा कि उनमें से एक व्यक्ति एक गैरकानूनी मोटरसाइकिल गिरोह का उपाध्यक्ष भी है। एएफपी कमांडर स्टीफन जे ने एक बयान में कहा, ÷हम जानते हैं कि अपराधी ऑस्ट्रेलिया में ड्रग्स की तस्करी करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने से भी नहीं कतराते। अपराधी इस बात की भी परवाह नहीं करते कि वे ऑस्ट्रेलियाई लोगों को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷समुद्र से दो टन से अधिक कोकीन इकट्ठा करने का यह कथित प्रयास दर्शाता है कि अपराधी अपने लालच और लाभ के लिए कुछ भी कर

सकते हैं। सभी 13 व्यक्तियों पर बॉर्डर कंट्रोल्ड ड्रग्स की व्यावसायिक मात्रा आयात करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। यदि वे दोषी पाये जाते हैं तो उन्हें अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। जे और क्यूपीएस डिटेक्टिव के कार्यवाहक मुख्य अधीक्षक क्रेग मोरो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि संयुक्त जांच नवंबर में शुरू हुई थी, जब उन्हें खुफिया जानकारी मिली थी कि एक आपराधिक गिरोह ऑस्ट्रेलिया में ड्रग्स आयात करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि एएफपी, क्यूपीएस और ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने एक रिक्रिएशनल फिशिंग बोट पर नजर रखी, जो क्वींसलैंड लौटने से पहले कोकीन लेने के लिए कथित तौर पर एक जहाज की तरफ समुद्र में गई थी। नाव के खराबी के कारण समुद्र में फंस जाने के बाद गिरफ्तारियां शुरू की गईं।

जूनियर एशिया कपः

भारत ने जीता जूनियर एशिया कप का खिताब

फाइनल में पाकिस्तान को 5-3 से चटाई धूल

मस्कट, एजेंसी। अराइजीत सिंह हुंदल के चार गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां पुरुष जूनियर एशिया कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराकर खिताब की हैट्रिक बनाई। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारत का 5वां खिताब है।

इससे पहले भारत ने 2004, 2008, 2015 और 2023 में यह खिताब जीता था। कोविड-19 महामारी के कारण यह टूर्नामेंट 2021 में आयोजित नहीं किया गया। हुंदल ने चौथे, 18वें और 54वें मिनट में 3 पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और 47वें मिनट में मैदानी गोल दागा। भारत के लिए एक अन्य गोल दिलराज सिंह (19वें मिनट) ने किया।

पाकिस्तान के लिए सूफियान खान (30वें और 39वें मिनट) ने 2 पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जबकि हन्नान शाहिद ने तीसरे मिनट में मैदानी गोल किया। इससे पहले जापान ने मलेशिया को 2-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पाकिस्तान ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की और तीसरे मिनट में ही शाहिद के मैदानी गोल से बढ़त बना ली। भारत ने कुछ सेकेंड बाद ही अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया जिससे हुंदल ने शक्तिशाली ड्रैग फ्लिक पर पाकिस्तान के गोलकीपर के दाईं ओर से गोल में पहुंचाकर टीम को बराबरी दिला दी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपने खेल में सुधार किया और 18वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया जिससे हुंदल ने गोल में बदला।

एक मिनट बाद दिलराज के एक बेहतरीन मैदानी गोल करके भारत की बढ़त को 3-1 कर दिया। पाकिस्तान ने 30वें मिनट में सूफियान के पेनल्टी कॉर्नर पर दागे गोल से स्कोर 2-3 किया। सूफियान ने 39वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर पाकिस्तान को बराबरी दिला दी।

भारत ने अंतिम क्वार्टर में 47वें मिनट में अपना तीसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन हुंदल के शॉट को पाकिस्तान के गोलकीपर मुहम्मद जंजुआ ने बचा लिया। हुंडल ने हालांकि कुछ सेकंड बाद ही मैदानी गोल दागकर भारत को फिर से बढ़त दिला दी। भारत ने अंतिम 10 मिनट में पाकिस्तान पर कड़ा दबाव बनाया और कुछ और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और हुंदल ने एक बार फिर बेहतरीन वैरिएशन से गोल करके टीम की 5-3 से जीत सुनिश्चित की।

एडिलेड टेस्ट में राहुल-जायसवाल ही ओपनिंग करेंगेः रोहित शर्मा

एडिलेड, एजेंसी। पर्थ में पहला टेस्ट जीतने के बाद अब टीम इंडिया का काफिला एडिलेड पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने पिंक बॉल टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 का ऐलान कर दिया है और अब सब की नजर टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल की वापसी के साथ टीम इंडिया और अधिक मजबूत हो गई है, लेकिन एक नया टीम कॉम्बिनेशन तैयार करना कोच गौतम गंभीर के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस बीच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी की सराहना करने हुए कहा कि एडिलेड में भी हमारी ओपनिंग जोड़ी यही होगी। शुक्रवार से एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे गुलाबी गेंद टेस्ट में पारी की शुरुआत इन दोनों बल्लेबाजों के कंधों पर ही रहेगी। पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में राहुल और जायसवाल ने टीम की जीत की नींव रखी थी। रोहित ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷केएल (एडिलेड में) ओपनिंग करेंगे। जायसवाल के साथ उनकी साझेदारी ने उस पहले टेस्ट की जीत में अहम भूमिका निभाई। जिस तरह से उन्होंने भारत के बाहर बल्लेबाजी की है, वह इसके हकदार हैं। मैं मध्यक्रम में कहीं बल्लेबाजी करूंगा। यह काफी सरल निर्णय था। व्यक्तिगत रूप से, यह आसान नहीं था (बल्लेबाज के तौर पर) लेकिन टीम के लिए यह एक आसान निर्णय था। पारिवारिक कारणों के चलते रोहित शर्मा पहले टेस्ट मैच से बाहर थे।

एडिलेड टेस्ट में इतिहास रचने को तैयार विराट कोहली, डॉन ब्रैडमैन के वर्ल्ड रिकॉर्ड की कर लेंगे बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024 का पहला टेस्ट पर्थ में खेला गया था। लंबे समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे विराट कोहली का बल्ला उस मैच में जमकर बोला। उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाते हुए अपनी फॉर्म भी हासिल की। उस सेंचुरी से किंग कोहली ऑस्ट्रेलिया में जाकर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। वहीं अब कोहली के निशाने पर दिग्गज डॉन ब्रैडमैन का वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

➢एडिलेड में डॉन ब्रैडमैन के वर्ल्ड रिकॉर्ड की कर सकते हैं बराबरी

ऑस्ट्रेलिया के सर डॉन ब्रैडमैन के नाम किसी देश जाकर विदेशी खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 1930 से 1948 के बीच इंग्लैंड जाकर इंग्लैंड के खिलाफ 11 शतक लगाए थे। उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 11 टेस्ट मैच में किया था। अब विराट कोहली इस वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी करने से सिर्फ 1 शतक दूर हैं।

➢विराट कोहली ने 43 टेस्ट में लगाए 10 शतक

विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में 43 टेस्ट मैचों में 10 शतक बनाए हैं, उन्होंने पहला टेस्ट मैच 2011 में खेला था। इस लिस्ट में कोहली के बाद जैक हॉब्स (ऑस्ट्रेलिया में 9 शतक), सचिन तेंदुलकर (श्रीलंका में 9 शतक), सर विवियन रिचर्ड्स (इंग्लैंड में 8 शतक) और सुनील गावस्कर (वेस्टइंडीज में 7 शतक) जैसे दिग्गज खिलाड़ी हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 43 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 2710 रन बनाए हैं।

बड़ौदा ने रचा इतिहास

349 रन बनाकर टी20 में कायम किया सबसे बड़ा टोटल बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। बड़ौदा की टीम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कमाल करते हुए टी20 क्रिकेट का सबसे बड़ा टोटल बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड कामय कर दिया. टूर्नामेंट में सिक्किम के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले की पहली पारी में बैटिंग करते हुए बड़ौदा ने 20 ओवर में 349/5 रन बोर्ड पर लगा दिए. यह अब तक टी20 क्रिकेट (टी20 इंटरनेशनल में भी) इतिहास का सबसे बड़ा टोटल बन गया.

इससे पहले टी20 क्रिकेट में सबसे बड़ा टोटल बनाने का रिकॉर्ड जिम्बाब्वे का नाम पर दर्ज था. 23 अक्टूबर, 2024 को जिम्बाब्वे ने गाम्बिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 20 ओवर में 344/4 रन बोर्ड पर लगाए थे.

➢सबसे बड़े टोटल के अलावा बने कई और रिकॉर्ड

बड़ौदा ने सिक्किम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में टी20 इतिहास का सबसे बड़ा टोटल बनाने के अलावा एक टी20 पारी में सबसे ज्यादा 37 छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी कायम किया. इसके अलावा टी20 मुकाबले की एक पारी में बाउंड्री (छक्के और चौके) की मदद से सबसे ज्यादा 294 रन बनने का रिकॉर्ड भी कामय हुआ. यह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में पहला 300 से ज्यादा का स्कोर रहा. इससे पहले टूर्नामेंट में सबसे बड़ा स्कोर पंजाब ने पिछले सीजन यानी 2023 में बनाया था. पंजाब ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में 20 ओवर में 275/6 रन बनाए थे.

➢ऐसा रहा पूरी पारी का हाल, भानु पनिया ने जड़ा शतक

मुकाबले में बड़ौदा ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया और 20 ओवर में 349/5 रन बोर्ड पर लगा दिए. इस दौरान टीम के लिए भानु पनिया ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 51 गंदों में 5 चौके और 15 छक्को की मदद से 134* रन बनाए.

इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 262.75 रनों का रहा. इसके अलावा शिवालिक शर्मा, अभिमन्यु सिंह और विष्णु सोलंकी ने ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़े. शिवालिक ने महज 17 गेंदो में 3 चौके और 6 छक्कों की मदद से 55 रन बनाए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 323.53 का रहा. इसके अलावा अभिमन्यु सिंह ने 17 गेंदों में 4 चौके और 5 छक्कों की मदद से 53 रन स्कोर किए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 311.76 का रहा.

अभिषेक शर्मा ऐसे गरजे की सहम गया मेघालय, 28 गेंद शतक ठोक कर ली उर्विल की बराबरी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल लेवल पर टी20 क्रिकेट में ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का बल्ला पिछले कुछ दिनों से नहीं चल रहा था, लेकिन सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट 2024 में उन्होंने मेघालय के खिलाफ ऐसी पारी खेली की मैदान पर तूफान आ गया।

अभिषेक ने अपनी तूफानी शतकीय पारी के दम पर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए तो वहीं पंजाब को मेघालय पर 7 विकेट से जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। इस मैच में मेघालय ने पंजाब के खिलाफ पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 143 रन बनाए और इसके जवाब में पंजाब ने 9.3 ओवर में 3 विकेट पर 144 रन बनाकर मैच को जीत लिया और ये कमाल अभिषेक की नाबाद 106 रन की पारी के दम पर संभव हुआ। उन्होंने ये पारी 29 गेंदों पर 11 छक्के और 8 चौकों की मदद से खेली। अभिषेक शर्मा को उनकी इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

➢अभिषेक ने ठोका टी20 का सबसे तेज शतक

पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा ने मेघालय के खिलाफ 28 गेंदों पर शतक लगाया और वो भारत की तरफ से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले की लिस्ट में उर्विल पटेल के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर आ गए। उर्विल ने सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट 2024 में ही कुछ दिनों पर 28 गेंदों पर शतक लगाया था।

भारत की तरफ से टी20 में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं जिन्होंने ये कमाल 32 गेंदों पर किया था तो वहीं रोहित शर्मा ने ऐसा 35 गेंदों पर किया था और वो तीसरे नंबर पर हैं।

हरभजन सिंह और एमएस धोनी के बीच में आई दरार?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि 10 सालों से उनकी एमएस धोनी से बात नहीं हुई. भज्जी ने इस खुलासे से सभी को चौंका दिया. हरभजन ने कहा कि मैदान के बाहर धोनी से बात किए हुए उन्हें 10 साल से भी ज्यादा वक्त गुजर गया. भज्जी ने कहा कि उनकी बाकी तमाम साथी क्रिकेटर्स के बात होती है, लेकिन धोनी से नहीं. भज्जी 2018 और 2019 में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे. हरभजन ने बताया कि इसी दौरान दोनों की फील्ड पर बात हुई. इसके अलावा दोनों के बीच बातचीत हुए 10 साल से ज्यादा का वक्त गुजर गया है. करते हुए भज्जी ने कहा, धोनी से मेरी बात नहीं होती है. जब सीएसके में खेल रहा था तभी बातचीत होती थी. 10 साल से भी ज्यादा हो गए बात नहीं हुई. कोई वजह नहीं है बात ना करने की. शायद उसके पास कोई वजह हो, तो मुझे नहीं पता कि क्या वजह है.

पूर्व साथी ने स्टार फुटबॉलर को लेकर किया बड़ा दावा

इस्लाम अपनाना चाहते हैं क्रिस्टियानो रोनाल्डो

नईदिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को लेकर उनके पूर्व साथी फुटबॉलर ने बड़ा दावा किया है। रोनाल्डो अल नस्र के लिए खेलते हैं। इसी क्लब के पूर्व गोलकीपर अब्दुल्ला वलीद का कहना है कि रोनाल्डो इस्लाम अपनाना चाहते हैं। अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि स्टार फुटबॉलर खुद यह इच्छा जाहिर की है। एक टीवी शो में अब्दुल्ला ने कहा कि रोनाल्डो ने सउदी अरब में आकर इस्लाम की इज्जत करने लगे हैं। वह चाहते हैं कि वह इसे अपनाए। उन्होंने कहा, 'रोनाल्डो वाकई में इस्लाम कबूलना चाहते हैं। मैंने उससे बात की है और उसने दिलचस्पी दिखाई है। वह अभी से गोल करने के बाद सजदा करने लगे हैं।

वह हमेशा खिलाड़ियों को दुआ करने और इस्लामिक प्रैक्टिस करने को कहते हैं। साउदी अरब के पूर्व स्टार फुटबॉलर ने बताया कि रोनाल्डो खुद ही ट्रेनिंग के दौरान कोच से कहते हैं कि अजान के समय खिलाड़ियों को ब्रेक दिया जाए ताकि वह नमाज पढ़ सके। अपनी जारी रखते हुए कहा, 'शुरुआत में मैं रोनाल्डो के काफी करीब था। वह सउदी अरब के कल्चर को नहीं समझता था। उसे यह सब जानने में बहुत दिलचस्पी थी। वह बहुत सवाल करता था।

पिछले साल मई में उन्होंने गोल करके सजदा किया तो सभी खिलाड़ियों ने अल्लाह-हो-अकबर कहा था।' साल 2023 में रोनाल्डो के अल नासर में जाने से पहले भी ऐसी ही रिपोर्ट्स आई थीं। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पूर्व रियल मैड्रिड टीम के साथी खिलाड़ी मेसुत ओज़िल और करीम बेंजेमा ने उन्हें मुसलमान बनने के लिए मनाने की कोशिश की थी।

रोनाल्डो ने 2022 में किया था नस्र

रोनाल्डो 2022 से पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ नाता खत्म करने के बाद इस दिग्गज खिलाड़ी ने शुक्रवार को सऊदी के इस बड़े क्लब के साथ डील फाइनल की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह डील 1700 करोड़ (200 मिलियन यूरो) से ज्यादा की है। उन्होंने जून 2025 तक के लिए अल नासर के साथ डील की है।

भारतीय बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन, ऑस्ट्रेलिया की आसान जीत

ब्रिस्बेन, एजेंसी। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण भारत को पहले महिला एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलिया से 202 गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.2 ओवर में 100 रन पर आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में पांच विकेट पर 102 रन बनाकर तीन मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की।

छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया भी बीच में थोड़ी देर के लिए लड़खड़ा गया था जब तेज गेंदबाज रेणुका सिंह (45 रन देकर तीन विकेट) ने एक ओवर में दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया को इसके अलावा हालांकि लक्ष्य हासिल करने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। अपना पहला वनडे खेल रही सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल (42 गेंदों पर नाबाद 46) ने सहजता से बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की आसान जीत सुनिश्चित की। उन्होंने अपनी पारी के दौरान रेणुका सिंह पर काउ कॉर्नर क्षेत्र में दर्शनीय छक्का भी लगाया था। उनकी सलामी जोड़ीदार फोएबे लीचफील्ड (29 गेंदों में 35 रन) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। लीचफील्ड ने लगातार छह चौके लगाए, जिनमें से चार रेणुका और दो अपना पहला वनडे खेल रही तेज गेंदबाज टिटास साधु की गेंदों पर लगे।

दूसरा वनडे आठ दिसंबर को यहां एलन बॉर्डर फील्ड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की बड़ी जीत की नींव तेज गेंदबाज मेगन शुट्ट ने रखी।

तालिबान सरकार के फैसले पर राशिद खान ने अपनाया कड़ा रुख

अफगानिस्तान की महिलाओं के लिए उठाई आवाज

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान मौजूदा वक्त में दुनिया के सबसे मशहूर क्रिकेटर्स में शुमार किए जाते हैं. राशिद को क्रिकेट खेलने वाले तमाम देशों में पसंद किया जाता है.

उन्होंने अपने खेल से एक अलग ही छाप छोड़ी है. राशिद अफगानिस्तान की एक बड़ी आवाज हैं. उन्होंने देश की तालिबान सरकार के एक फैसले पर कड़ा रुख अपनाते हुए महिलाओं के लिए आवाज बुलंद की.

दरअसल, अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने महिलाओं को मेडिकल इंस्टीट्यूट में पढ़ाई करने से बैन कर दिया है. चद्धड्डुड्डुड्डु प्रेस के मुताबिक, काबुल में दाई और नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स को इंस्टीट्यूट में एंट्री करने से रोक दिया गया. उन्हें मौखिक रूप से तालिबान सरकार के आदेशों का हवाला देते हुए कहा गया कि फिलहाल क्लास सस्पेंड हैं.

इस मुद्दे पर आवाज बुलंद करते हुए राशिद खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, इस्लामी शिक्षा में शिक्षा एक केंद्रीय स्थान रखती है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए ज्ञान की खोज पर जोर देती है. कुरान सीखने के महत्व पर प्रकाश डालता है और दोनों जेंडर के समान आध्यात्मिक मूल्य को स्वीकार करता है. राशिद ने आगे लिखा, मैं गहरे दुख और निराशा के साथ अफगानिस्तान की बहनों और माताओं के लिए हाल ही में एजुकेशनल और मेडिकल इंस्टीट्यूट के बंद होने पर विचार करता हूं.

मैं हाथ उठाकर बोल सकता हूं बुमराह अभी तीनों फार्मेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैः रिकी पोंटिंग

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज के रूप में सराहना की है।

पिछले हफ्ते बुमराह की कप्तानी में भारत ने पर्थ के मैदान पर खेले गए पहले टेस्ट में 295 रनों की जीत हासिल की थी। बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 104 रनों पर रोक दिया था। फ्रंट-लाइन पेसर मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति में बुमराह ने सिराज, हर्षित राणा और नितीश रेड्डी के साथ शानदार गेंदबाजी की। बहरहाल, पोंटिंग ने कहा कि कप्तान के लिए खड़ा होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। मुझे लगता है कि उसने

सभी को दिखाया कि वह खेल के सभी प्रारूपों में स्पष्ट रूप से दुनिया का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज क्यों है।

पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को फायदा हुआ क्योंकि भारत 150 रन पर आउट हो गया। लेकिन इसके बाद बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को तोड़ दिया, जिससे उनका स्कोर 19/3 हो गया, नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा और स्टीवन स्मिथ सभी पहले सात ओवरों के अंदर उनके शिकार बन गए। पोंटिंग ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे उन्होंने टेस्ट में खुद को हर दूसरे खिलाड़ी से अलग दिखाया। पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने वहां क्या किया, न केवल पहली पारी में बल्कि पूरे खेल में? उनकी गति, उनकी निरंतरता, गेंद को हिलाने की उनकी क्षमता, लगातार स्टंप्स को चुनौती देने और स्टंप्स को हिट करने की उनकी क्षमता, यह उनके और बाकी गेंदबाजों के बीच का अंतर था। जब पोंटिंग से बुमराह के कद के बारे में उनकी राय पूछी गई तो वह भड़क गए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह निश्चित तौर पर भारत के महानतम तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले के कई महान खिलाड़ियों ने तीनों प्रारूपों में उतना नहीं खेला जितना उन्होंने खेला है।

पोंटिंग ने कहा कि मैं अपना हाथ ऊपर उठाकर कह सकता हूं कि टी20 क्रिकेट, वनडे क्रिकेट और टेस्ट मैच क्रिकेट में वह अभी स्पष्ट रूप से सर्वश्रेष्ठ हैं। पोंटिंग ने कहा कि यह सब विकेट के बारे में नहीं है। यह लंबे समय तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के बारे में है।

मोहनलाल की एल 2- एमपुरान की शूटिंग पूरी

मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म एल 2ः एमपुरान साल 2025 में आने वाली है। की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हाल ही में, दिग्गज अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर घोषणा की कि टीम ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। एल 2ः एमपुरान के आखिरी शॉट मलमपुझा जलाशय के किनारे शूट किया गया था।

एक्स अकाउंट पर किया व्यक्त

साउथ अभिनेता मोहनलाल ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी 14 महीनों की अपनी इस यात्रा को दिखाया है।
इस फिल्म की शूटिंग आठ राज्यों और 4 देशों में हुआ है। इस बात को खुद मोहनलाल ने ही बताया है।

मोहनलाल ने लिखी ये बात

मोहनलाल ने लिखा, यह एल 2ः एम्पुरान का समापन है! 8 राज्यों और 4 देशों, जिनमें यूके, यूएसए और यूएई शामिल हैं, में 14 महीने की एक अविश्वसनीय यात्रा। इस फिल्म का जादू पृथ्वीराज सुकुमारन के शानदार निर्देशन के कारण है, जिनकी रचनात्मकता हर फ्रेम को ऊपर उठाती है।

टीम को किया धन्यवाद

मोहनलाल ने लिखा,यह सब समर्पित कलाकारों और क्रू के बिना संभव नहीं होता, जिन्होंने इस कहानी को जीवंत किया। एल 2ः एम्पुरान एक कलाकार के रूप में मेरी यात्रा का एक उल्लेखनीय अध्याय रहा है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।

मार्च में रिलीज होगी फिल्म

एल 2ः एम्पुरान फिल्म ग्लोबली अगले साल 27 मार्च 2025 में रिलीज होने वाली है। फिल्म को देखने के लिए मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन के प्रशंसक उत्साहित हैं। इस फिल्म में मुरली गोपी भी नजर आने वाले हैं। फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषा में रिलीज होने वाली है।

मैं पैपराजी को फोन करके नहीं बुलाती, सोशल मीडिया पर पॉपुलर होने का तरीका बताया

किरदारों में खुद को पूरी तरह से ढाल लेने वाले कलाकारों में से एक अभिनेत्री पत्रलेखा भी है। वह कई फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभा चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर और सोशल मीडिया पर कैसे पॉपुलर हुआ जा सकता है, इस बारे में एक इंटरव्यू में बात की। पत्रलेखा को अकसर ही जिम के बाहर पैपराजी घेर लेते हैं और उनकी तस्वीरें भी लेती हैं। उनकी जिम फोटोज हमेशा ही शानदार आती हैं। हाल ही में दिए गए इंटरव्यू में पत्रलेखा ने पैपराजी के बारे में कहा कि वह लोग काफी अच्छे होते हैं, अगर मैं उन्हें कहूं कि आज अच्छा गेटअप नहीं है और फोटो मत लो तो वह मेरी बात मान लेते हैं। इस पर इंटरव्यू ले रहे व्यक्ति ने पूछा कि क्या आप पैपराजी को खुद बुलाती हैं। इस पर पत्रलेखा ने कहा बिल्कुल नहीं, मैं ऐसा नहीं करती हूं। इसके जवाब में इंटरव्यू लेने वाला शख्स दोबारा कहता है कि कुछ एक्टर तो पैपराजी को फोन करके बुलाते हैं। इसी बात पर पत्रलेखा भी हामी भरती हैं।

सोशल मीडिया पर रियल रहना चाहिए

इसी इंटरव्यू में उनसे सवाल किया जाता है कि वह अपनी बहुत सी सेल्फी खींच कर सोशल मीडिया पर डालती हैं। उनको इस पर खूब लाइक्स भी मिलते हैं। क्या सोशल मीडिया पर कुछ भी शेयर करने से पहले वह सोच-विचार करती हैं। पत्रलेखा इस सवाल के जवाब में कहती हैं, 'ऐसा नहीं है। मुझे अपनी जो फोटो अच्छी लगती है, सही लगती है, वह मैं शेयर कर देती हूं। मैं अपने मन की सुनती हूं, अपने मन की करती हूं।' पत्रलेखा सोशल मीडिया पर खुद को रियल रखती हैं, शायद इसी वजह से उनके फॉलोअर बढ़ते जाते हैं।

राजकुमार से मिलती है फिल्में देखने की सलाह

पत्रलेखा यह भी बताती हैं कि जब राजकुमार राव घर पर होते हैं तो उन्हें कोई फिल्म या शो देखने का सजेशन देते हैं। इसी तरह से वह भी राजकुमार राव को अच्छी फिल्में सजेस्ट करती हैं। दोनों कम समय साथ में बीता पाते हैं लेकिन जब भी साथ होते हैं तो मनपसंद खाना खाते हैं।

नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अभिनेता इमरान खान साल 2015 से सिल्वर स्क्रीन से गायब हैं। हालांकि, खबरें हैं कि वो अब एक नए नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट के साथ वापसी करने वाले हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होगी, जिसका निर्देशन दानिश असलम करेंगे। दानिश ने इमरान की फिल्म ब्रेक के बाद का भी निर्देशन किया था। वहीं, इस नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में नजर आने वालीं अभिनेत्री को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। एक नाम भी सामने आया है।

इमरान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि

कथित तौर पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किया है। अगर वह फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो यह भक्षक और आगामी द रॉयल्स के बाद नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ उनका तीसरा सहयोग होगा।

मार्च 2025 में शुरू होगी शूटिंग!

फिल्म की स्क्रिप्ट फिलहाल अपने अंतिम चरण में है, जिसका मसौदा अगले महीने पूरा होने की उम्मीद है। इसके तुरंत बाद प्री-प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा और टीम की योजना मार्च 2025 में शूटिंग शुरू करने की है। इमरान के फैंस उनकी स्क्रीन पर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ट्रोलिंग करने वालों के मजे लेती हूं

टीवी पर दुल्हन बनू मैं तेरी से रातों-रात लोकप्रिय होने वाली दिव्यांका त्रिपाठी ने छोटे पर्दे पर एक अरसा बिताने वाली ये अभिनेत्री नच बलिये और फियर फैक्टर ः खतरों के खिलाड़ी जैसे रिएलिटी शोज में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं। इन दिनों वे वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शीरी में दिखाई दे रही हैं। उनसे एक बातचीत। अपनी सीरीज के बारे में वे कहती हैं, ये कहानी सिर्फ एक औरत के अधूरे सपनों को पूरा करने की नहीं है बल्कि बुजुर्गों की कहानी भी है कि वे कैसे इफेक्ट हो रहे हैं? बच्चों पर क्या असर पड़ता है? जब एक औरत असंतुष्ट रहती है? वहीं सलीम बने जावेद जाफरी की अपनी कहानी है, जो बताती है कि जादूगर बनने के लिए उन्होंने क्या-क्या बलिदान दिए। मैं इसमें जादूगर बनने का सपना पूरा करती हूं और उसके लिए मेरे किरदार शीरी को किस तरह की कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, यही हमारी वेब सीरीज है।
ट्रोल्स के बारे में वे हंसते हुए कहती हैं, हम जो सामाज हैं, उसी का तो प्रतिबिंब है सोशल मीडिया। अब उन्हें पता है कि उनके पास एक पर्दा है उस पर्दे की आड़ में वे अपनी कुटिल सोच को सामने लाते हैं। तो हम किसी एक ट्रोलर्स या बंदे को ब्लेम नहीं कर सकते, हमारी सोसायटी की सोच ही ऐसी है। हमें उसके बारे में सोचना चाहिए। एक जमाने में हमारे घरों में चुगलखोर आंटियां हुआ करती थीं। ये ट्रोलिंग करने वाले वही तो हैं चुगलीखोर। मेरे फैंस भी इस बात के बहुत मजे लेते हैं। मैंने ट्रोल्स करने वालों के नाम रख दिए हैं आंटी और चाची, तो जब वे ट्रोलिंग करते हैं, तो मैं पूछ बैठती हूं, अरे आंटी आप दोबारा आ गईं। एक जीजाजी (ट्रोल्स) हैं, जो हमेशा रूठे रहते हैं। मेरा मानना है कि जब आप इनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते, तो फिर मजे ले लो।

ऋतिक रोशन-एनटीआर की वॉर 2 से जुड़े तीन एक्शन निर्देशक, हॉलीवुड की फिल्मों के लिए भी कर चुके हैं काम

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। अब खबर आ रही है कि फिल्म से तीन एक्शन निर्देशक को जोड़ा गया है, जिनमें हॉलीवुड की वेनम और एवेंजर्स एज ऑफ अल्ट्रॉन जैसी फिल्मों के लिए काम कर चुके निर्देशक शामिल हैं।
ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी जैसे सितारों से सजी वॉर 2 बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को मशहूर निर्देशक अयान मुखर्जी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म ने घोषणा के बाद से ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर लिया है। फिल्म को लेकर फैंस की जबर्दस्त उत्सुकता को देखते हुए निर्माता इसमें किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस वजह से फिल्म के निर्माताओं ने इसके क्लाइमैक्स को शानदार सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए हॉलीवुड के एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा है, जिन्होंने वेनम, ऐज ऑफ अल्ट्रॉन, के साथ-साथ जवान और पठान जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशित किया है।

वॉर 2 से जुड़े हॉलीवुड फिल्मों के एक्शन निर्देशक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके शानदार एक्शन सीक्वेंस के लिए तीन मशहूर एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा गया है, जिनमें अमेरिकी स्टंट कोर्डिनेटर स्पाइरो रजाटोस, सी योंग ओह, और सुनील रोड्रिग्स हैं। स्पाइरो रजाटोस ने इससे पहले वेनम और द फेट ऑफ द फ्यूरियस जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशन किया है। वहीं, एवेंजर्स एज ऑफ अल्ट्रॉन में सी योंग ओह तथा जवान और पठान में सुनील रोड्रिग्स ने काम किया है। बताया जा रहा है कि यह तिकड़ी एक शानदार और स्टाइलिश फाइट सीक्वेंस तैयार कर रही है, जो दर्शकों को लिए एक बेहद शानदार अनुभव होने वाला है।

दमदार होगा फिल्म का क्लाइमेक्स

फिल्म को एक शानदार अनुभव बनाने के निर्माताओं द्वारा काफी सारी चीजें की जा रही हैं, जिसके तहत फिल्म के क्लाइमेक्स में दर्शकों को सांस रोक देने वाला एक्शन सीक्वेंस दिखाया जाएगा। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर दिसंबर के मध्य में मुंबई में हाई-ऑक्टेन क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग करेंगे, जिसे 15 दिनों के शेड्यूल में पूरा किया जाएगा। दोनों कलाकार गोरेगांव में फिल्म सिटी और अंधेरी के वाईआरएफ स्टूडियो में इसकी शूटिंग करेंगे। बताया जा रहा है कि निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक अयान मुखर्जी व्यक्तिगत रूप से सेट डिजाइन और जटिल एक्शन कोरियोग्राफी की देखरेख कर रहे हैं।

अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होगी वॉर 2

बताते चलें कि यशराज फिल्म्स की वॉर 2 अगले साल 2025 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को आदित्या चोपड़ा द्वारा बनाया जा रहा है, जबकि अयान मुखर्जी इसका निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म से जूनियर एनटीआर अपना बॉलीवुड डेब्यू करेंगे, जो बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ दमदार एक्शन करते दिखाई देंगे।

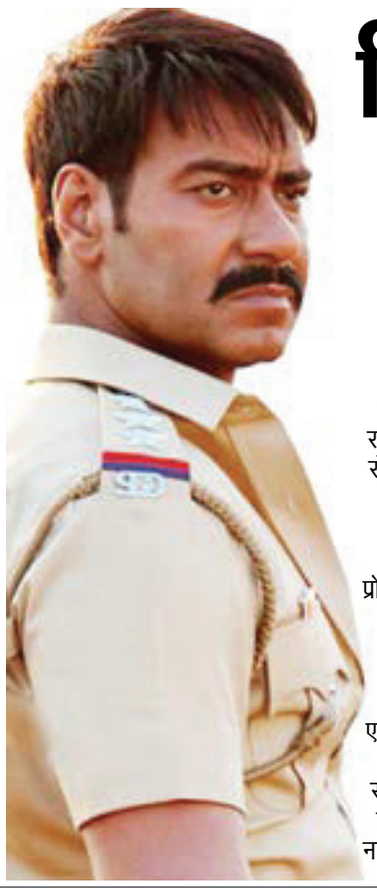

सिल्वर स्क्रीन पर आमने सामने होंगे अजय और ऋतिक

2020 में तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर की सफलता के बाद, अभिनेता-निर्माता अजय देवगन अनसंग वॉरियर्स फ्रेंचाइजी में दूसरी किस्त की योजना बना रहे हैं। जानकारी के अनुसार, अजय देवगन और निर्देशक ओम राउत महीनों से इस परियोजना पर चर्चा कर रहे हैं। दोनों को शुरू में 17वीं सदी के मराठा सेना के जनरल बाजी प्रभु देशपांडे की कहानी बताने में रुचि थी। हालांकि, इसी विषय पर आधारित मराठी फिल्म पवनखिंड (2022) की रिलीज के बाद योजनाएं बदल गईं। प्रोजेक्ट पर आया नया अपडेट यकीनन उत्साह बढ़ाने वाला है।

अजय देवगन-ओम राउत के बीच चल रही चर्चा!

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन और ओम राउत दो विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे या तो एक ही कहानी को बड़े पैमाने पर बताएं, या मराठा साम्राज्य से किसी अन्य नायक को चुनें। बातचीत अभी शुरुआती चरण में है। उन्होंने बाजी प्रभु की बायोपिक बनाने के विचार को पूरी तरह से खत्म नहीं किया है, क्योंकि उस मोर्चे पर काफी शोध और योजना बनाई गई थी।

ऋतिक रोशन होंगे खलनायक!

विशेष रूप से, तान्हाजी में अजय देवगन ने तान्हाजी मालुसरे की भूमिका निभाई और अपने प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। अगला भाग अनसंग वॉरियर्स फ्रेंचाइजी की दूसरी किस्त मालूम होती है। अजय देवगन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे और वह इसमें खलनायक के रूप में ऋतिक रोशन को साइन करना चाहते हैं। अजय वर्सेज ऋतिक की खबर ने बढ़ाया बज जानकारी के अनुसार, अजय को लगता है कि ऋतिक के पास जबरदस्त स्क्रीन उपस्थिति और करिश्माई ताकत है। वह स्क्रीन पर एक बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरेंगे। अगर यह सहयोग होता है, तो यह दो बॉलीवुड सुपरस्टारों का पहला ऑन-स्क्रीन मिलन होगा। सीक्वल में शरद केलकर छत्रपति शिवाजी महाराज की अपनी भूमिका को दोहरा सकते हैं। हालांकि, देवगन या राउत ने अभी तक कलाकारों और कहानी के बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं की है। काम के मोर्चे पर पेशेवर मोर्चे पर, अजय देवगन को हाल ही में सिंघम अगेन में देखा गया था। आने वाले दिनों में अभिनेता सन ऑफ सरदार 2 और दे दे प्यार दे 2 में नजर आएंगे। इस बीच, ऋतिक रोशन वॉर 2 में कबीर के रूप में अपनी वापसी के लिए तैयारी कर रहे हैं, जहां वह जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। वॉर 2, वॉर (2019) की बड़ी सफलता के बाद उसका बहुप्रतीक्षित सीक्वल है।

4 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा वरुण की फिल्म बेबी जॉन का ट्रेलर

वरुण धवन इन दिनों अपनी वेब सीरीज व सिटाडेल हनी बनी की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। अब वे अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन की तैयारी में जुटे हुए हैं। यह फिल्म इस साल क्रिसमस पर रिलीज हो रही है। इसी बीच ट्रेलर रिलीज की तारीख पर बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म का ट्रेलर 4 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा। ट्रेलर को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च करने की खबरें हैं, जिसमें फिल्म की टीम भी शामिल होगी। एटली द्वारा निर्मित बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, सान्या मल्होत्रा, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव सहित कई मजबूत कलाकार हैं। सिटाडेल: हनी बनी में वरुण के प्रदर्शन की प्रशंसा की गई और दर्शकों को उम्मीद है कि वह बेबी जॉन में एक और मजबूत एक्शन भूमिका देंगे। बेबी जॉन एटली की 2016 की तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। फिल्म में सलमान खान का कैमियो भी होगा। इसका निर्देशन ए. कालीस्वरन ने किया है और इसे जियो स्टूडियोज, एटली ने ए फॉर एप्पल स्टूडियोज और सिने 1 स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया है।